प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-153 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 29 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

देशभक्ति संग आत्मनिर्भरता, महिलाएं बनाएंगी तिरंगे

हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं सहायता समूह तैयार करेंगे 2.46 लाख तिरंगे

72 महिला समूहों को मिला निर्माण का जिम्मा, रोजगार संग राष्ट्रभक्ति का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस पर जिले में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं बड़े पैमाने पर तिरंगा निर्माण करेंगी। शासन ने मथुरा जिले को 2.46 लाख तिरंगे तैयार करने का लक्ष्य दिया है। इस कार्य की जिम्मेदारी जिले के सभी 10 विकास खंडों में संचालित 72 स्वयं सहायता समूहों को सौंपी गई है। इस अभियान से महिलाओं को रोजगार मिलने के साथ-साथ उनकी आय में भी वृद्धि होगी और वे राष्ट्र निर्माण के इस अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत समूहों की महिलाएं अपने घरों और समूह कार्यस्थलों पर तिरंगा तैयार करेंगी। झंडा निर्माण के लिए आवश्यक कपड़ा, अन्य कच्चा माल और प्रशिक्षण विभाग की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। अधिकारियों ने सभी समूहों को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ उत्पादन पूरा करने के निर्देश दिए हैं, ताकि 15 अगस्त से पहले सभी तिरंगे सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और आम नागरिकों तक पहुंचाए जा सकें।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला समन्वयक इंद्रपाल सिंह ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान को लेकर सभी समूहों में उत्साह का माहौल है। महिलाओं को प्रशिक्षण देने के साथ निर्माण कार्य की नियमित निगरानी भी की जाएगी, जिससे तय मानकों के अनुरूप तिरंगे तैयार हो सकें। अभी इस काम केलिए 72 समूह चिन्हित किए गए हैं, यह संख्या कुछ और बढ़ सकती है।

समूहों से जुड़ी महिलाओं ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें देश की आन-बान-शान तिरंगे के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिला है। इससे न केवल उन्हें रोजगार मिलेगा, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। महिलाओं का कहना है कि देशभक्ति और आजीविका का यह संगम उनके लिए गर्व का विषय है।

वहीं, सीडीओ पूजा गुप्ता ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से करीब 700 से अधिक महिलाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। आवश्यकता पड़ने पर स्वयं सहायता समूहों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को भी मजबूती देगी।

बुधवार को गोवर्धन में आस्था का सैलाब दिखा तो हर ओर श्रद्धालु नजर आए। बड़ी और छोटी परिक्रमा के मिलन स्थल पर मौजूद परिक्रमार्थी।

पेपर लीक पर सख्त हुआ कानून लोकसभा से विधेयक पारित

दस वर्ष कारावास, दस करोड़ जुर्माने का कड़ा प्रावधान

यूनिक समय, मथुरा। लोकसभा ने बुधवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर मंगलवार को करीब नौ घंटे चर्चा हुई, जबकि बुधवार को भी बहस जारी रही। विपक्ष की ओर से राहुल गांधी ने भी अपनी बात रखी। हंगामे के बीच विधेयक को मंजूरी मिल गई। संशोधित कानून के तहत पेपर लीक और परीक्षा में संगठित धोखाधड़ी जैसे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। दोषियों को अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। सरकार का कहना है कि इससे परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और अभ्यर्थियों के हित सुरक्षित होंगे। वहीं, राज्यसभा ने राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 भी पारित कर दिया। इसके बाद वंदे मातरम को जन-गण-मन की तरह कानूनी संरक्षण मिलेगा। अब वंदे मातरम का अपमान, अनादर या उसके गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध माना जाएगा।

मुड़िया यात्रा में उमड़ी आस्था ब्रज की संस्कृति हुई जीवंत

हरिनाम संकीर्तन से गूंजा परिक्रमा क्षेत्र, श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

गुरु पूर्णिमा पर दो चरणों में निकली ऐतिहासिक मुड़िया यात्रा

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को गोवर्धन में प्राचीन परंपरा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुड़िया संतों की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में निकाली गई। संतों के हाथों में मृदंग, मंजीरा और ढोल की धुन के बीच गूंजते हरिनाम संकीर्तन ने पूरे गोवर्धन क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। यात्रा में शामिल संतों और श्रद्धालुओं के जयकारों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

सुबह राधाश्याम मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मुड़िया संत रामदास के नेतृत्व में पहली शोभायात्रा निकाली गई। पारंपरिक वेशभूषा में संतों की टोली जब नगर भ्रमण पर निकली तो जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

शोभायात्रा में शामिल संतों ने भजन-कीर्तन करते हुए गुरु परंपरा और भक्ति मार्ग का संदेश दिया। शोभायात्रा से पहले मंदिर परिसर में गुरु दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इसमें संतों और श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा का स्मरण करते हुए आध्यात्मिक मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मुड़िया संतों की यह परंपरा ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी हुई है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचे।

बुधवार को राधा श्याम मंदिर से निकाली गई शोभायात्रा में शामिल मुड़िया संत।

शाम के समय दूसरी मुड़िया यात्रा चकलेश्वर मंदिर परिसर स्थित महाप्रभु मंदिर से निकाली गई। इस यात्रा में भी संतों की टोली ने हरिनाम संकीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। पूरे मार्ग में श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे नजर आए। गोवर्धन में आयोजित मुड़िया शोभायात्राओं को लेकर प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए थे। मंदिरों और प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं की गईं। संतों की शोभायात्रा ने एक बार फिर ब्रज की समृद्ध धार्मिक परंपराओं को जीवंत कर दिया। गुरु पूर्णिमा पर निकली यह यात्रा श्रद्धालुओं के लिए आस्था, संस्कृति और भक्ति का विशेष आकर्षण बनी रही।

जिले में डेंगू-मलेरिया से निपटने की पूरी तैयारी

अब तक 1.29 लाख से अधिक मरीजों की हुई जांच

यूनिक समय, मथुरा। बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। जिले में जनवरी 2026 से अब तक लगातार बुखार से पीड़ित 1,29,095 लोगों की जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान तीन मरीज मलेरिया संक्रमित पाए गए, जिन्हें समय पर उपचार और निर्धारित दवा का पूरा कोर्स कराया गया। तीनों मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। राहत की बात यह है कि जिले में अभी तक डेंगू का कोई भी मरीज नहीं मिला है।

जिला मलेरिया अधिकारी सीपी मिश्रा ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सभी

जांच में केवल तीन मरीज मिले मलेरिया संक्रमित

जिला अस्पताल से लेकर पीएचसी तक जांच-उपचार की व्यवस्था

आवश्यक तैयारियां पहले ही पूरी कर ली हैं। जिला अस्पताल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डेंगू और मलेरिया की जांच निःशुल्क होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज को जांच के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर डेंगू और मलेरिया की जांच के लिए पर्याप्त संख्या में टेस्ट किट उपलब्ध करा दी गई हैं। इसके साथ ही इलाज की व्यवस्था भी मजबूत की गई है। जिला अस्पताल में डेंगू और मलेरिया के मरीजों के लिए 10 बेड, प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 5-5 बेड और प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 2-2 बेड आरक्षित किए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बनाए हुए है। जहां भी जलभराव या मच्छरों के आतंक की संभावना होती है, वहां एंटी लार्वा दवा का छिड़काव और फॉगिंग कराई जा रही है। आशा, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यम से लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर, टंकी, गमले और अन्य पात्रों का पानी समय-समय पर बदलते रहें। पूरी बांह के कपड़े पहनें, मच्छरदानी और मच्छररोधी क्रीम लगाए जो कि मच्छर काटने से बच सकें। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की निगरानी लगातार जारी है, किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट रखा गया है।

एमईएस के ठेकदार मांगों को लेकर मुख्य अभियंता हेडक्वाटर कमांडर वर्क्स इंजीनियर को ज्ञापन सौपते हुए।

एमईएस के ठेकेदारों ने मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (रजिस्टर्ड) मथुरा शाखा ने सैन्य अभियंत्रण सेवा एमईएस से जुड़े ठेकेदारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर बुधवार को मुख्य अभियंता हेडक्वार्टर कमांडर वर्क्स इंजीनियर को ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि काफी समय से लंबित मांगे अभी तक पूरी नहीं हुई है। ठेकेदारों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मांगे पूरी नहीं हुइ तो आर्थिक संकट हो जाएगा। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि काफी संख्या में पंजीकृत ठेकेदारों का पंजीकरण नहीं हुआ है,जिसके कारण काफी परेशानी हो रहीं है। एसोसिएशन ने मांग की कि 2010 के बाद से सभी श्रेणियों के ठेकेदारों की वित्तीय सीमाओं में कोई वृद्धि नहीं हुई है। ई-श्रेणी के ठेकेदारों को 50 लाख रुपये तक के कार्यों में निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति पूर्व व्यवस्था के अनुसार बहाल करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में चेयरमेन राजेन्द्र सिंह यादव, सचिव तरुण मंगला सहित दर्जनों एमईएस ठेकेदार मौजूद थे ।

गुरु पूर्णिमा पर कम दिखी श्रद्धालुओं की संख्या

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास में आई श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण इस बार गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों की भीड़ कम नजर आई। पिछले साल गुरु स्थान वाले आश्रमों पर मारामारी थी, इस बार बड़े इत्मीनान से शिष्य आश्रमों में रुके। लोगों का मानना था कि ज्येष्ठ में अधिक मास होने के कारण इस बार लाखों श्रद्धालु आए थे।

गोपीनाथ बाजार में छज्जा गिरने से अफरा-तफरी

एक राहगीर घायल लोग दहशत में

यूनिक समय, वृंदावन। गोपीनाथ बाजार में बंदर की उछल कूद के कारण एक दुकान का छज्जा गिरने से अफरा-तफरी मच गई। छज्जा गिरने से एक युवक के घायल होने की खबर है।

जानकारी के अनुसार, गोपीनाथ बाजार में भारती मिठाई के नाम से प्रतिष्ठान है। यहां कचौड़ी, बेढ़ई और जलेबी का नाश्ता करने वालों की भीड़ रहती है। इसी दरम्यान दुकान की पहली मंजिल के छज्जे पर लगी लोहे की रेलिंग को बंदर ने जोर से हिला दिया। छज्जे पर जर्जर टाइल्स पत्थरों की लटकन टूटकर गिरने लगी। दुकान के आगे से निकल रहा गौरानगर कालोनी निवासी भोला के सिर पर पत्थर का टुकड़ा लगा, जिससे उसका सिर फट गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह तो गनीमत थी कि पत्थर की लटकन गिरने के समय लोग दुकान के अंदर थे। इसलिए बड़ा हादसा होने की बच गया।

संरक्षित वन भूमि से हटाए गए अवैध बैनर-पोस्टर

यूनिक समय, मथुरा। सिविल लाइंस क्षेत्र में टैंक चौराहे से औरंगाबाद मार्ग स्थित संरक्षित वन भूमि पर अवैध रूप से लगाए गए बैनर और पोस्टरों को वन विभाग ने अभियान चलाकर हटाए गए। विभाग ने संरक्षित वन भूमि पर अतिक्रमण की श्रेणी में मानते हुए कार्रवाई की है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी अतुल तिवारी ने बताया कि बताया कि वन भूमि पर लगे सभी अवैध बैनर और पोस्टरों को हटाया जाएगा। संरक्षित वन भूमि पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार के बैनर, पोस्टर या अन्य सामग्री लगाना नियमों का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि अवैध रूप से बैनर-पोस्टर लगाने वाले व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। उनके विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम और अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण हटाओ अभियान में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वन विभाग द्वारा संरक्षित वन भूमि से हटाया गया बोर्ड।

रंगनाथ में सजी गजेंद्र मोक्ष लीला, जयघोष से गूंजा परिसर

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा पर धार्मिक नगरी के दक्षिण भारतीय शैली के प्रसिद्ध श्री रंगनाथ मंदिर में बुधवार को पारंपरिक गजेंद्र मोक्ष (गज-ग्राह) लीला का भव्य मंचन किया गया। भगवान रंगनाथ की दिव्य सवारी और गजेंद्र मोक्ष लीला के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। पूरे मंदिर परिसर में भगवान रंगनाथ की जय के जयघोष गूंजते रहे। परंपरा के अनुसार, भगवान रंगनाथ स्वर्ण निर्मित गरुड़ वाहन पर विराजमान होकर गर्भगृह से पूर्वी द्वार स्थित पुष्करणी तक पहुंचे। मंदिर के सेवायतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान का पूजन किया। इसके बाद गजेंद्र मोक्ष लीला का मंचन हुआ। लीला में दर्शाया गया कि किस प्रकार जलाशय में स्नान कर रहे गजेंद्र को ग्राह (मगरमच्छ) ने पकड़ लिया और संकट में फंसे भक्त की करुण पुकार सुनकर भगवान रंगनाथ तत्काल गरुड़ पर सवार होकर पहुंचे, सुदर्शन चक्र से ग्राह का वध कर गजेंद्र को मुक्त कराया। करीब आधे घंटे तक चली इस भावपूर्ण लीला के समापन पर भगवान की कुंभ आरती हुई। इसके बाद भगवान की सवारी मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए पुनः गर्भगृह में विराजमान हुई। मंदिर के अनुज स्वामी ने बताया कि श्री रंगनाथ मंदिर में प्रतिदिन उत्सव मनाने की परंपरा है, इसलिए इसे दिव्यदेश भी कहा जाता है।

पुलिस की गोली से दो गौ तस्कर घायल

ऐंच गौशाला से गायों की चोरी करने वालों से हुई पुलिस की मुठभेड़

सिपाही को लगी बदमाशों की गोली, एक बदमाश भागने में कामयाब

मुठभेड़ में घायल बदमाशों को ले जाते पुलिसकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां के ऐंच गांव में बनी अस्थाई गौशाला से चौकीदार को बंधक बनाकर गायों की चोरी करने वाले गैंग से पुलिस की बीती रात नाले पर मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए, जबकि गौ तस्करों की गोली लगने से एक सिपाही भी घायल हो गया। मौके का फायदा उठा कर एक गौ तस्कर मौके से फरार हो गया।

सीओ छाता ने बताया कि कोसीकलां थाने के ऐंच स्थित अस्थाई गौशाला से 23 जुलाई को गौ तस्कर चौकीदार को बंधक बनाकर और उसकी कनपटी पर तमंचा रख कर गौशाला से गायों को चोरी कर ले गए थे। इस संबंध में थाना कोसीकलां में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। कोसीकलां पुलिस की टीम रात में नाले के समीप चेकिंग कर रही थी। इसी बीच वहां पर बाइक पर तीन लोगों को आते देख पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। यह देखकर बाइक सवारों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली एक बदमाश के बांए और दूसरे के दांए पैर में लगी। बदमाशों द्वारा चलाई गई गोली सिपाही सोनू को भी लगी। इस बीच बदमाशों का तीसरा साथी मौके से भाग गया। पुलिस ने घायल राजू निवासी मीरपुर थाना खुर्जा बुलंदशहर और एहसान निवासी गांव रोहिंदा थाना अरनिया जनपद बुलंदशहर को घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सिपाही और दोनों घायल गौतस्करों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस को मौके से दो देशी तमंचे-कारतूस और खोखा कारतूसों के अलावा नौ हजार रुपये नकद, दो रस्से और बिना नंबर की बाइक बरामद हुई है। पुलिस भागे तीसरे अभियुक्त की तलाश कर रही है।

महिला की विषाक्त सेवन से हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर के टैंटीगांव में एक महिला ने संदिग्ध परस्थितियों में विषाक्त का सेवन कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

टैंटीगांव निवासी राजू की पत्नी नीतू (35) ने कल घर पर किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला की हालत बिगड़ने पर परिवार में हड़कंप मच गया। महिला को परिवार के लोगों ने वृंदावन के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया। नीतू के मायके मावली पानीगांव भी इस बारे में सूचना दी गई। मायके वालों ने बताया कि नीतू की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसके दो जुड़वां बच्चे भी है। परिवार के लोगों का कहना है कि नीतू ने इस तरह का फैसला किस कारण लिया, उन्हें पता नहीं है। दो- तीन दिन पहले राजू के काम करने के दौरान लगी चोट का पता लगने पर सभी लोग टैंटीगांव गए थे। उस समय तो कुछ ऐसा नहीं लग रहा था कि नीतू परेशान है। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पशु क्रूरता करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। नौहझील पुलिस ने पशु क्रूरता करने के अभियोग में वांछित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, टोली मौहल्ला नौहझील निवासी चांद के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम का मामला दर्ज है। पुलिस ने उसे टोली मौहल्ला वाली गली के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

ब्रज में लावारिस हाल में मरने वालों की संख्या बढ़ी

हर रोज मिल रहे हैं दो लावारिस शव, इसके पीछे रहती है मोक्ष की अवधारणा

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में मिलने वाले लावारिस शवों की संख्या बढ़ने लगी है। संभवता इसके पीछे लोगों में ब्रज में मरने पर मोक्ष मिल जाने की सोच है। यही कारण हर रोज दो लावारिस शव पोस्टमार्टम के लिए मोरचरी पहुंच रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस माह बीते 26 दिन के अंदर 44 इस तरह के शव मिले हैं।

लोगों में इस तरह की सोच है कि यदि किसी की मृत्यु बृज में होगी तो उसे मोक्ष प्राप्त होगा। इसी के चलते काफी संख्या में दूसरे राज्यों के वृद्ध सहित अन्य लोग अपने परिवारों को छोड़ कर ब्रज में भगावन की भक्ति करने के लिए आ जाते हैं।

यहां आने के बाद उनका परिवार से कोई संपर्क तक नहीं रहता है। इस तरह उनकी मौत होने पर उनके शवों का अंतिम संस्कार करने के लिए कोई नहीं आता है। उनकी पहचान तक नहीं हो पाती है। अंत में पुलिस उनके शवों को बरामद करने के बाद तीन दिन तक मोरचरी में रख कर उनकी शिनाख्त का इंतजार करने के साथ–साथ इस बात का भी इतंजार करती है कि उनके परिवार का कोई व्यक्ति आ जाए ,लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाद पुलिस यह मान लेती है कि अब कोई आने वाला नहीं है। इसके बाद पुलिस शवों का अंतिम संस्कार कर देती है। अब सिर्फ रह जाते हैं कागजों पर चिपके उनके फोटो। अगर कोई भूला भटका आ जाता है तो फोटो से ही अपनों की पहचान कर मन को शांत कर लेता है।

85 लाख के जेवरात टप्पेबाजी से ले जाने वालों के नहीं मिले सुराग

पुलिस की टीमें दिल्ली सहित दूसरी जगह दे रही हैं दबिश, खंगाले जा रहे सीसी कैमरे

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पुलिस ने टप्पेबाजी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पच्चीस लाख रुपये बरामद कर लिए, लेकिन पुलिस अभी भी 85 लाख रुपये के सोने के जेवरात ले जाने वालों तक पहुंच पाने में सफल नहीं हो सकी है।

गौरतलब है कि टप्पेबाजी करने वाले गिरोह ने मथुरा में 20 जुलाई को सिम्स हॉस्पिटल के समीप कार सवारों से पच्चीस लाख रुपये पार कर दिए थे। इसके चार दिन बाद इसी थाना क्षेत्र में एक कूरियर कंपनी के कर्मचारी द्वारा बस में जेवरात का पैकिट दिल्ली जाने के दौरान पार कर दिया। पैकिट में करीब 85 लाख रुपये के जेवरात थे। चार दिन में हुई लगातार दो बड़ी वारदातों से शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस को लेकर लोगों में चर्चा होने लगी। पुलिस ने 25 लाख की टप्पेबाजी करने वाले अभियुक्त मद्रास गैंग के अक्षय को सलेमपुर पाली खेड़ा रोड से गिरफ्तार कर उससे पच्चीस लाख रुपये बरामद करने के साथ घटना को आंजम देने वाली बाइक को भी बरामद कर लिया। 24 जुलाई को सोने के जेवरात के पैकिट से जुड़ी घटना को घटित होने के छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अपराधियों का सुराग नहीं लगा सकी है। हालांकि पुलिस की कई टीमे सीसी कैमरों की सैंकड़ों फुटेज को लगातार देख कर अपराधी तक पहुंचने के प्रयास कर रही है। दिल्ली के टप्पेबाजी करने वाले लोगों से भी जानकारी जुटाने के लिए पुलिस दबिश दे रही है, लेकिन अभी तक इस मामले में कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

राधारानी कुंड में स्नान के दौरान युवक डूबा

हॉस्पिटल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

यूनिक समय, सुरीर। गुरू पूर्णिमा पर राधारानी मानसरोवर कुंड में स्नान के दौरान एक युवक गहरे पानी में जाकर डूब गया। घटना से कुंड पर हड़कंप मच गया। परिवार में उसकी मौत से कोहराम मच गया। नंदनगरिया (मांट) निवासी यशपाल उर्फ मूला(20) पुत्र साहब सिंह गुरू पूर्णिमा पर राधारानी मानसरोवर कुंड में स्नान करने के लिए गया था। कुंड में स्नान करने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया। गहरे पानी में जाकर वह डूबने लगा। वहां मौजूद लोगों ने युवक को डूबते देख शोर किया। कुछ लोग तुरंत पानी में डूबते युवक को बचाने के लिए कुंड में कूद गए। युवक को उन्होंने किसी तरह पानी से बाहर निकाल लिया। इसके बाद युवक को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एमपी के पूर्व गृहमंत्री पहुंचे बांके बिहारी के दरबार में

यूनिक समय, वृंदावन । मध्य प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा आज सुबह ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचे। उन्होंने फूल बंगला में विराजमान ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। भाजपा नेता उदयन शर्मा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पूर्व गृह मंत्री ज्ञान गुदड़ी स्थित अपने गुरु स्थान पहुंचे, जहां उन्होंने गुरु पूजन किया।

वृंदावन में प्रवेश वाहन पास फर्जी होने की आशंका

आखिर कौन बांट रहा है फर्जी पास बनवाकर

पुलिस को सेंध लगाने वालों की करनी पड़ेगी जांच

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में आए दिन लगने वाले जाम के पीछे की वजह जो सामने आ रही है, वह फर्जी वाहन पास जारी होने की आशंका है। इन पासों को बाहर से आने वाले कारों के मालिकों को बेचा गया है। इससे यह खुलासा हुआ है कि नकली पासों को बड़ी संख्या में बेचा गया है। आखिर फर्जी पासों को कौन बेच रहा है। इसका पता लगाना पुलिस को जरुरी है। गौरतलब है कि पुलिस और नगर निगम प्रशासन ने सीओ स्तर से नगर के लोगों की राह आसान करने के लिए वाहनों का पास सिस्टम लागू किया था। गाड़ी की आरसी को प्रार्थना पत्र के साथ सीओ कार्यालय पर देना होता है, फिर वहां से पास जारी होता है। इस पास के सहारे से कारों को वृंदावन में प्रवेश मिलता है। अब यह बात सामने आ रही है कि किसी ने फर्जी पास भी बनाकर बेचना शुरु कर दिया है। एक निजी यू ट्यूब न्यूज चैनल पर भी इस पास को दिखाया जा रहा है। फर्जी पास को देखकर लोगों के कान खड़े हो गए हैं। यदि किसी शातिर ने फर्जी पास जारी कर दिए हैं तो अब तक न जाने कितने वाहन अवैध रुप से वृंदावन में प्रवेश कर रहे होंगे, इससे जाम की स्थिति तो बनेगी और लोग मुसीबत में फंसेंगे। फर्जी पासों को लेकर सीओ से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

दानघाटी मंदिर के सामने मौजूद श्रद्धालुओं की भीड़।

गोवर्धन में उमड़ा लघु भारत,आस्था के रंग में रंगा ब्रज

दानघाटी मंदिर में पूजा-अर्चना को उमड़े श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को गिरिराज धाम गोवर्धन में आस्था का ऐसा अद्भुत दृश्य देखने को मिला, मानो पूरा देश एक ही स्थान पर सिमट आया हो। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने गोवर्धन को लघु भारत का स्वरूप दे दिया। परिक्रमा मार्ग पर बीती रात से आज सुबह तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता रहा। हर ओर राधे-राधे और गिरिराज महाराज की जय के जयघोष गूंजते रहे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया।

मुड़िया मेले के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की संख्या अपने चरम पर रही। नंगे पांव श्रद्धालु गिरिराज महाराज की 21 किलोमीटर की परिक्रमा पूरी करने के लिए उत्साह और श्रद्धा के साथ आगे बढ़ते रहे।

परिक्रमा मार्ग पर संत-महात्माओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भारी भीड़ दिखाई दी। विभिन्न भाषाओं और वेशभूषाओं में पहुंचे श्रद्धालु भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे थे।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह सेवा शिविर और भंडारों की व्यवस्था की गई थी। स्वयंसेवक लगातार श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल, शरबत, फल, भोजन और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराते रहे। सेवा भाव का यह दृश्य श्रद्धालुओं के मन को छूता रहा।

परिक्रमा में देशभर से पहुंचा श्रद्धालुओं का सैलाब, बसों में दिखी भीड़

मानसी गंगा के फव्वारों और भंडारों ने थकान मिटाई, सेवा बनी आकर्षण

मानसी गंगा पर लगाए गए फव्वारों ने परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं को उमस से राहत पहुंचाई। फव्वारों की ठंडी फुहारों में श्रद्धालु कुछ पल रुककर तरोताजा होते नजर आए और फिर गिरिराज महाराज के जयकारों के साथ अपनी यात्रा आगे बढ़ाते रहे।

पूरे परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा, सफाई और यातायात व्यवस्था के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय रहा। पुलिस, स्वास्थ्य, नगर पंचायत और अन्य विभागों के कर्मचारी लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। गुरु पूर्णिमा पर गोवर्धन में उमड़ी आस्था धार्मिक नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण बन गई। श्रद्धा, भक्ति और सेवा के इस अद्भुत संगम ने गिरिराज धाम की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक आलोकित कर दिया।

दंडवती देकर बड़ी परिक्रमा का शुभारंभ करते श्रद्धालु।

राधे-राधे : ऐसे भाव और शब्दों के साथ परिक्रमा में कदम बढ़ाते श्रद्धालु।

डीएम-एसएसपी ने मेले की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कंट्रोल रूम से रखी निगरानी

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं का जायजा लेने के लिए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने बुधवार को गोवर्धन का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन स्थित कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं की निगरानी की।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने कंट्रोल रूम से विभिन्न प्रमुख स्थलों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

उन्होंने कंट्रोल रूम में प्राप्त कॉल की जानकारी ली और रजिस्टर का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी सतर्कता और समन्वय के साथ करें, ताकि मेले का संचालन सुचारु रूप से होता रहे।

परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार।

इसके बाद डीएम- एसएसपी ने श्री गिरिराज महाराज मंदिर परिसर और परिक्रमा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एसडीएम सुशील कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय कार्यक्रम कल से

यूनिक समय,मथुरा। महाविध्येश्वर महादेव मंदिर महाविद्या में दो दिवसीय कार्यक्रम 30 से 31 जुलाई तक महाविद्या कॉलोनी स्थित महाविध्येश्वर महादेव मंदिर में अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन गुरुवार को प्रातः 11बजे से प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंदिर प्रबंधक गया प्रसाद गोला, रितेश माहेश्वरी ने बताया कि शुक्रवार को भोले नाथ का अभिषेक, हवन,यज्ञ का कार्यक्रम होगा। सायं 7 बजे से 9 बजे तक साध्वी साक्षी दीक्षित के द्वारा प्रवचन और हरिनाम संकीर्तन किए जाएंगे। साथ ही भोलेनाथ का भव्य फूल बंगला सजाया जाएगा।

गुरु चरणों में झुके श्रद्धालु,आश्रमों में गूंजे भक्ति के स्वर

गुरु पूर्णिमा पर आश्रमों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, गुरु चरणों में नतमस्तक हुए श्रद्धालु

शिष्यों ने गुरु से ज्ञान सुख-समृद्धि और जीवन में सफलता का लिया आशीर्वाद

साध्वी ऋतंभरा ने शिष्यों को समझाया गुरु पूर्णिमा का महत्व

फरह क्षेत्र के गांव गढ़ाया में सिद्ध संत मौनी बाबा का पूजन करते संजय अग्रवाल।

गोकुल स्थित कार्ष्णि आश्रम में कार्ष्णि गुरुशरणानंद का पूजन करते संत।

वात्सल्य ग्राम में गुरु पूर्णिमा पर साध्वी ऋतंभरा के चरण पूजन करते शिष्य।

वृंदावन स्थित चरणाश्रम में महामंडलेश्वर डा. सत्यानंद अधिकारी गुरुजी का पूजन करते शिष्य।

आश्रम में शिष्यों के साथ महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव और संत मोहनी शरण।

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर बुधवार को संपूर्ण ब्रजमंडल श्रद्धा, भक्ति और गुरु वंदना के रंग में रंगा दिखाई दिया। मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना, गोवर्धन और आसपास के प्रमुख आश्रमों और मठों में सुबह से ही श्रद्धालुओं और शिष्यों का तांता लगा रहा। गुरु के प्रति आस्था और समर्पण का ऐसा भाव देखने को मिला कि हर आश्रम भजन-कीर्तन, वैदिक मंत्रोच्चार और जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

प्रातःकाल से ही शिष्य अपने गुरु के दर्शन और चरण वंदन के लिए आश्रमों में पहुंचने लगे। विधि-विधान के साथ गुरु पूजन, आरती, पुष्प अर्पण और चरण पादुका पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु को फल, वस्त्र, दक्षिणा और श्रद्धा स्वरूप विभिन्न भेंट अर्पित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अनेक स्थानों पर गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में विशेष सत्संग, प्रवचन और भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

संत-महात्माओं ने अपने प्रवचनों में गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि गुरु ही मनुष्य के जीवन का सच्चा मार्गदर्शक होता है। गुरु के ज्ञान और संस्कारों से ही जीवन में सफलता, शांति और आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने शिष्यों से सदैव सत्य, सेवा, सदाचार और मानव कल्याण के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। दिनभर आश्रमों में भक्ति का वातावरण बना रहा। कहीं गुरु चरणों का अभिषेक हुआ तो कहीं सामूहिक गुरु वंदना और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। प्रसाद वितरण और भंडारों में भी श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। गुरु पूर्णिमा पर ब्रज के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा और यातायात की भी विशेष व्यवस्था रही।

वहीं, ब्रज के ग्रामीण अंचल में भी पूरे दिन आश्रमों में श्रद्धा, भक्ति और भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की अनुपम छटा देखने को मिली, जिसने ब्रज की आध्यात्मिक संस्कृति को एक बार फिर जीवंत कर दिया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने अपने गुरु का आशीर्वाद लेकर परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और जीवन में उन्नति की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद आयोजन शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में हुए।

वृंदावन में वात्सल्य ग्राम में गुरु पूर्णिमा पर साध्वी ऋतंभरा ने गुरु परंपरा की चरण पादुकाओं का पूजन किया। साधु और साध्वी शिष्यों ने गुरु चरण पूजन कर आरती की।

साध्वी ऋतंभरा ने देश-विदेश से आए शिष्यों- साधकों को आशीर्वाद दिया। कहा कि गुरु पूर्णिमा गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है। इस अवसर पर समविद की बेटियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से गुरु महिमा का वर्णन किया। इस अवसर पर संजय गुप्ता, स्वामी सत्य शील, साध्वी सुहृदया, साध्वी सत्य प्रिया, साध्वी सत्य श्रुति, स्वामी सत्यश्रेय और स्वामी सत्यश्रवा आदि उपस्थित थे। संचालन उमाशंकर राही ने किया।

परिक्रमा मार्ग स्थित मां काली मंदिर के निकट स्थित चरणाश्रम में गुरु पूर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम में महामंडलेश्वर डा. सत्यानंद अधिकारी गुरुजी ने गुरु और शिष्य के संबंध पर प्रकाश डाला। कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व भले ही साल में एक बार आता है, लेकिन वह शिष्यों और गुरु के बीच बंधी आ रही डोर को और मजबूत कर जाता है। उन्होंने आज वृद्ध महिलाओं को भोजन कराया। कार्यक्रम में दीना पंडित, मुरली अग्रवाल, संजू अग्रवाल, रविकांत गौतम, शक्ति कौशिक, कान्हा गुप्ता और शुभम अग्रवाल आदि उपस्थित थे। परिक्रमा मार्ग स्थित ललित कुंज आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया। सुबह से ही शेष धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया था। आरती के बाद शिष्यों ने हरिदासीय संप्रदाय के शीर्ष संत-आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू का पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजन अर्चन कर चरणों में शीश नवाया। इस दौरान पूरा आश्रम हरिदासीय संप्रदाय के जयकारों से गूंज उठा। ललित कुंज आश्रम के महंत मोहिनी बिहारी शरण ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला।

संत प्रेमानंद ने दिलाया गुरु मार्ग पर चलने का संकल्प

लाल फूलों से बिछाई कालीन पर चलकर शिष्यों को दर्शन देते संत प्रेमानंद।

यूनिक समय, वृंदावन। गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर आश्रम से बाहर निकलकर संत प्रेमानंद ने अपने दीक्षित परिकरों से मुलाकात कर उन्हें आशीर्वाद दिया।

गुरु के दर्शन और आशीर्वचन प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में परिकर और श्रद्धालु सुबह से ही आश्रम पहुंच गए थे। संत प्रेमानंद के आगमन पर दीक्षित परिकरों ने उनके स्वागत में मार्ग पर फूलों की चादर बिछा दी। पूरा वातावरण जयकारों, भजन-कीर्तन और गुरु वंदना से भक्तिमय हो उठा। गुरु के दर्शन करते ही श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और उनके चरणों में नमन कर जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद प्राप्त किया। बेलवन आश्रम में दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने गुरु पूजन कर अपने जीवन में गुरु के महत्व को स्वीकार करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

भजन कीर्तन और भंडारों का आयोजन

यूनिक समय, राया। गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। जगह -जगह भजन-कीर्तन और भंडारों का आयोजन किया गया। सादाबाद मार्ग पर श्री सर्वेश्वर भक्त मंडल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में निम्बार्क भक्तों ने सामूहिक गुरुपूजन कर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया । इस अवसर पर चंद्रप्रकाश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, देवेंद्र शास्त्री, सुशील गर्ग, योगेश गोयल, विजय गुप्ता, मनीष शर्मा, माधव गौड़, संजय अग्रवाल, ऋषिलाल सिंह, करनसिंह और सतीश सविता आदि उपस्थित थे।

प्रियाकांत जू मंदिर के शांति सेवा सभागृह में धर्माचार्य देवकीनंदन की आरती करती महिलाएं।

प्रियाकांत जू मंदिर पर शिष्यों ने मनाई गुरू पूर्णिमा

यूनिक समय, वृंदावन । छटीकरा मार्ग स्थित प्रियाकांत जू मंदिर के शांति सेवा सभागृह में गुरु पूर्णिमा पर शिष्यों ने धर्मगुरू देवकीनंदन ठाकुर का पूजन कर गुरू-शिष्य परंपरा का निर्वहन किया । देवकीनंदन महाराज ने विभिन्न स्थानों से आये शिष्यों को नशामुक्त सात्विक जीवन जीने और धर्मानुसार सद् आचरण करने का उपदेश दिया । कोलकाता से आए भक्तों ने आरती उतारी । फिर गुरू पूजन और आर्शीवचन कार्यक्रम आयोजित हुआ।

गुरु पूर्णिमा पर वृंदावन में दिन भर चहल पहल रही

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी की नगरी में बुधवार सुबह से गुरु पूर्णिमा को लेकर चहल पहल दिखाई। हर शिष्य अपने गुरु स्थान पर पहुंचने के लिए बेताब दिखाई दिए। सभी शिष्यों ने फूल माला, फल और मिठाई खरीदी। फिर गुरु स्थान पहुंचकर अपने-अपने गुरु का पूजन कर आशीर्वाद लिया। यह क्रम देर सायं तक चलता रहा। बाहर से आने वाले शिष्यों की गाड़ियों को पुलिस ने निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया, जिससे वृंदावन में जाम की स्थिति बन सके। फूल बाजार में आज अन्य दिनों की अपेक्षा फूल माला महंगी थी, फलों पर महंगाई दिखी।

मंदिरों में भी कम दिखी श्रद्धालुओं की भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। प्रमुख ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर समेत अन्य मंदिरों में आज अन्य दिनों की अपेक्षा श्रद्धालुओं की भीड़ कम नजर आई। हालांकि यह उम्मीद थी कि गोवर्धन में गिरिराजजी की परिक्रमा लगाने के बाद श्रद्धालु वृंदावन आएंगे, लेकिन नही हो सका। अधिकांश श्रद्धालु गोवर्धन की परिक्रमा लगाकर सीधे मथुरा होकर अपने गंतव्य स्थान को लौट गए। गोवर्धन से आने वाली अधिकांश मथुरा रेलवे स्टेशन के निकट पहुंच रही थी। वृंदावन आने वाली बसों की संख्या बहुत कम थी। प्रम मंदिर पर अवश्य श्रद्धालु नजर आए।

मघेरा हनुमान मंदिर में भक्ति का उमड़ा सैलाब

मघेरा हनुमान मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर पूजा करते सेवक और श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा-राधाकुंड मार्ग स्थित मघेरा हनुमान मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया। मंदिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन हुआ। मंदिर के महंत केशवदास उर्फ मौनी बाबा ने बताया कि यह मंदिर त्रेता और द्वापर युग के दुर्लभ मिलन का प्रतीक माना जाता है, जहां भक्त शिरोमणि हनुमान और भगवान श्रीकृष्ण के सखा भाव की मान्यता है। उन्होंने बताया कि मान्यता के अनुसार जब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम गौ-चारण के लिए इस क्षेत्र में आते थे, तब हनुमानजी अदृश्य अथवा सखा रूप में उपस्थित होकर उन्हें अपने हाथों से दाल-बाटी और चूरमा का भोग लगाते थे। इसी परंपरा के चलते प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को मंदिर में दाल-बाटी, चूरमा का भोग लगाकर भंडारे का आयोजन किया जाता है। महोत्सव में वीरेंद्र पुजारी, पवन पुजारी, ऋषि शास्त्री,नानकचंद, बनारसी दास, दीपक, ठाकुर लाल पांडे, रमनलाल बघेल, बालकिशन सिसोदिया, अमरपाल, बालकिशन सिसोदिया, नरेंद्र कृष्ण गौतम, पन्नालाल गौतम, श्याम सुंदर गौतम, धर्मदत्त गौतम, सुरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर भीड़ से रोडवेज की बल्ले–बल्ले, रातभर दौड़ी बसें

मथुरा आने को श्रद्धालुओं के इंतजार में तैयार खड़ी रोडवेज बसें।

करीब 13 ट्रेनों से पहुंचे हजारों श्रद्धालु गोवर्धन के लिए दौड़ती रहीं रोडवेज बस

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी में गुरु पूर्णिमा और गोवर्धन मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। गुरु पूर्णिमा की रात करीब 13 ट्रेनों से हजारों श्रद्धालु मथुरा जंक्शन पहुंचे। रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते ही श्रद्धालु सीधे गोवर्धन परिक्रमा के लिए रवाना हुए। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रोडवेज ने पहले से ही कमर कस ली। अलग–अलग जिलों से मंगाई गई करीब 1100 अतिरिक्त रोडवेज बसें पूरी रात श्रद्धालुओं को लेकर गोवर्धन जाती रहीं। बसें भरते ही तुरंत रवाना हो रही थीं और दूसरी बस यात्रियों के लिए

मथुरा आने के लिए बस में चढ़ने के लिए जोर आजमाइश करते श्रद्धालु।

तैयार खड़ी मिल रही थी। पूरी रात यही सिलसिला चलता रहा। इससे श्रद्धालुओं को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार, गुरु पूर्णिमा की रात यात्रियों की संख्या कई गुना अधिक रही। मथुरा, वृंदावन और गोवर्धन मार्ग पर पूरी रात बसों की आवाजाही बनी रही। श्रद्धालुओं की भारी संख्या के कारण लगभग सभी बसें पूरी क्षमता के साथ चलीं, जिससे रोडवेज के राजस्व में भी अच्छी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और गोवर्धन मार्ग पर देर रात तक श्रद्धालुओं की चहल–पहल बनी रही। चालक और परिचालकों ने पूरी रात ड्यूटी निभाते हुए यात्रियों को सुरक्षित और समय पर गंतव्य तक पहुंचाया। गुरु पूर्णिमा और गोवर्धन मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने धार्मिक आस्था अलग ही दिखाई दे रहीं थी। श्रद्धालु बसों में बैठते ही जय कारे लगाने शुरू कर दिए।

मानसी गंगा में स्नानपर रोक के बाद फब्बारों की सुविधा का लाभ लेकर स्नान करते परिक्रमार्थी।

गौरी गोपाल आश्रम में भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

गौरी गोपाल आश्रम में भजनों का आनंद लेते भक्त।

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर प्राचीन ठाकुर केशव देव मंदिर के भक्तों द्वारा गौरी गोपाल आश्रम में विशाल भंडारा और भजन संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों साधु–संतों और श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज के जयकारों के बीच प्रसाद ग्रहण किया। शुभारंभ भागवत आचार्य अनिरुद्धाचार्य की माता ने साधु सेवा और प्रसाद वितरण के साथ किया। भजन संध्या में भजन गायकों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। मनमोहन ने गोवर्धन महाराज तेरे माथे मुकुट विराज रहयो" और दीपक शर्मा ने "मोहि चुनरी मंगवा दे रसिया, गोवर्धन के दरस करा दे रसिया" सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में कन्हैया झुनझुनवाला, राजकुमार अग्रवाल, योगी अग्रवाल, संजीव गिलट, बनवारी लाल,मोहन राजकोटी, सुनील बनवारी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज,पवन सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

जयगुरुदेव आश्रम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

पंकज बाबा ने दिया गुरु भक्ति का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे स्थित जयगुरुदेव आश्रम में गुरु पूर्णिमा सत्संग मेले में देशभर से श्रद्धालुओ ने पूजा कर आशीर्वाद लिया। आश्रम परिसर में गुरु पूजन, सत्संग, नामदान आदि कार्यक्रम होते रहे। संस्थाध्यक्ष पंकज ने नाम योग साधना मंदिर-सत्संग भवन में गुरु पूजन, ध्यान और आरती के बाद प्रवचन देते हुए कहा कि आत्मा का कल्याण गुरु के ध्यान और सत्संग से ही संभव है। उन्होंने कहा कि गुरु की भक्ति केवल ईश्वर की प्राप्ति के लिए करनी चाहिए। मनुष्य जीवन का उद्देश्य सत्कर्म, शाकाहार, सदाचार और गुरु के बताए मार्ग पर चलना है। प्रवचन के बाद पंकज ने श्रद्धालुओं को नामदान प्रदान किया और गुरु की शिक्षाओं का पालन करने को कहा। पंकज ने घोषणा की कि दादा गुरु स्वामी घूरेलाल का वार्षिक भंडारा 17 से 21 दिसंबर तक जयगुरुदेव आश्रम, मथुरा में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शाकाहार, सदाचार और नशामुक्ति के प्रचार–प्रसार के लिए विभिन्न जिलों में साइकिल यात्राएं निकालकर लोगों को जागरूक किया जाए।

भक्तों का अभिवादन स्वीकारते पंकज बाबा ।

पंडित भक्तमाली के निवास पर हुआ गुरु पूजन

यूनिक समय, वृंदावन। ज्ञान गुदड़ी स्थित ताड़ वाली कुंज में शिष्यों ने पं. जगन्नाथ प्रसाद भक्तमाली के चित्रपट के साथ –साथ ही लाली वृंदावनी का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रसिक शर्मा ने गुरु दीक्षा प्रदान की। प्रसाद भंडारे की सम्पूर्ण व्यवस्था डॉ. अनूप शर्मा के निर्देशन में संचालित हुई।

कल से स्वर्ण–रजत हिंडोले में भक्तों को दर्शन देंगे ठाकुर द्वारकाधीश

यूनिक समय, मथुरा। ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में श्रावण मास में 30 जुलाई से ठाकुर जी स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। मंदिर प्रशासन ने दर्शन का समय सायंकाल 5:10 बजे से 5:40 बजे तय किया है।

मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि श्रावण मास के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार, तृतीय पीठाधीश्वर, कांकरोली नरेश द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि श्रावण कृष्ण पक्ष प्रतिपदा पर ठाकुर द्वारकाधीश महाराज स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दिव्य दर्शन देंगे। यह कार्यक्रम पूरी निर्धारित अवधि तक जारी रहेगा।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर श्रद्धा के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

वेद व्यास का पूजन करते गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, सचिव कपिल शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। गुरु पूर्णिमा पर्व पर बुधवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शुभारंभ भागवत भवन में महर्षि वेदव्यास के विधि–विधान से पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने महर्षि वेदव्यास के जीवन, उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने वेदों का विभाजन, महाभारत की रचना और पुराणों के संकलन के माध्यम से भारतीय संस्कृति और सनातन ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और ज्ञान परंपरा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम में आए भक्तों ने महर्षि वेदव्यास का पूजन कर गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की।

गुरुपूर्णिमा मेले में मथुरा जंक्शन बना सेवा का केंद्र

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान मथुरा जंक्शन सेवा, सुरक्षा और समर्पण का केंद्र बन गया। विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु ट्रेनों से मथुरा पहुंचे। किसी ने गोवर्धन की परिक्रमा की तो किसी ने अपने गुरु के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। परिक्रमा पूरी करने के बाद श्रद्धालुओं को सुरक्षित उनके गंतव्य तक रवाना करने के लिए रेलवे प्रशासन, रेलवे सुरक्षा बल राजकीय रेलवे पुलिस और स्काउट एवं गाइड के स्वयंसेवक पूरी रात स्टेशन पर मुस्तैद रहे।

स्टेशन पर भारी भीड़ के बावजूद रेलवे और पुलिस प्रशासन ने पूरी व्यवस्था के साथ संचालन किया। बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और दिव्यांग यात्रियों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें सुरक्षित ट्रेन में बैठाया गया। कई स्थानों पर पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं का हाथ पकड़कर उन्हें डिब्बों तक पहुंचाते दिखाई दिए। स्काउट एवं गाइड के स्वयंसेवकों ने यात्रियों को सही प्लेटफॉर्म और उनकी ट्रेनों तक पहुंचाने में सराहनीय कार्य किया। रेलवे अधिकारियों ने कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी रखी। आरपीएफ और जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने पूरी रात स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हर गतिविधि पर नजर रखी गई, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

यात्रियों को समझाते जीआरपी निरीक्षक प्रदीप कुमार।

हजारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने के लिए मुस्तैद रहे रेलवे, आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी– कर्मचारी

जीआरपी प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार और आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक उपदेश कुमार कौशिक अपने स्टाफ के साथ लगातार प्लेटफॉर्म पर मौजूद रहे। दोनों अधिकारी यात्रियों को सुरक्षित ट्रेन में चढ़ाने, भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षित यात्रा के लिए जागरूक करते रहे। स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा भी पूरी रात व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। उन्होंने बताया कि बुधवार को मथुरा से झांसी, इटावा सहित विभिन्न मार्गों के लिए लगभग 15 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को मथुरा जंक्शन से करीब 38 हजार रेल टिकट जारी किए गए।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

यूनिक समय

मथुरा, बुधवार, 29 जुलाई 2026

सुविचार

जिंदगी की खूबसूरती तलाशने वालों को हर पल सीख मिलती है।

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा 08:05-09:30 तक		पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	घनिष्ठा 05:43-07:26 तक		माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:45 AM		चन्द्रोदय	07:47 PM
सूर्यास्त	7:06 PM		चंद्रास्त	07:02 AM
सूर्य राशि	कर्क राशि		चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	11:59AM – 12:52 PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	02:05 PM: 03:45 PM		वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें, स्वास्थ्य और खानपान पर विशेष ध्यान दें।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे, यात्रा के योग भी बन सकते।

मिथुनः नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। नौकरी और व्यापार में लाभ मिलेगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। वाणी में संयम बनाए रखें।

कर्कः धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। निवेश सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, तनाव से बचें।

सिंहः कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे। अनावश्यक विवादों से दूरी बनाए रखें।

कन्याः व्यापार में प्रगति होगी। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा और लाभ मिलेगा।

तुलाः पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। नौकरी में उन्नति के संकेत हैं। खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिकः भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

धनुः नई शुरुआत के लिए दिन अनुकूल रहेगा। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

मकरः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। निवेश से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित रहेगा।

कुंभः सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

मीनः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

सांवलिया सेठ दरबार में आस्था की अनूठी भेंटों की बरसात

भक्तों ने जमीन, सोने का मुकुट सहित चढ़ावे अर्पित किए

चांदी के आधुनिक मॉडल बने श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र

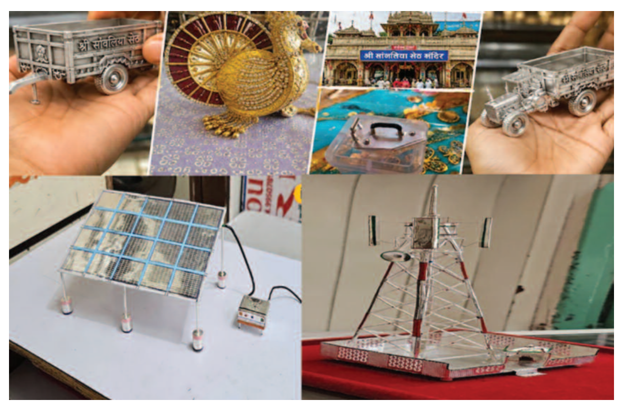

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया स्थित प्रसिद्ध श्री सांवलिया सेठ मंदिर में श्रद्धालुओं ने अपनी अनूठी आस्था से सभी का ध्यान आकर्षित किया। जुलाई माह के दौरान मंदिर में पारंपरिक चढ़ावे के साथ कई ऐसी भेंटें अर्पित की गईं, जिनकी पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है। किसी श्रद्धालु ने अपनी सवा 10 बीघा जमीन भगवान के नाम समर्पित कर दी, तो किसी ने चांदी से बने आधुनिक मॉडल भेंट किए।

मंदिर प्रशासन के अनुसार डूंगरपुर जिले के एक श्रद्धालु ने अपनी खातेदारी की करीब सवा 10 बीघा जमीन मंदिर के नाम दान कर दी। इसे श्रद्धा और समर्पण का अनूठा उदाहरण माना जा रहा है। वहीं हरियाणा से आए एक भक्त ने भगवान सांवलिया सेठ को सोने का मुकुट अर्पित किया, जबकि महाराष्ट्र से पहुंचे श्रद्धालु ने भी विशेष भेंट चढ़ाकर अपनी आस्था व्यक्त की। इस बार मंदिर में चांदी से बने आधुनिक मॉडलों ने सबसे अधिक आकर्षण बटोरा। श्रद्धालुओं ने चांदी का जीओ 5जी मोबाइल टावर, सोलर ऊ र्जा मॉडल, ट्रैक्टर-ट्रॉली, अफीम का पौधा और इस्त्री भगवान को अर्पित की। इन अनोखी भेंटों ने मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा बटोरी।

मंदिर प्रशासन का कहना है कि देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालु अपनी-अपनी परंपरा, व्यवसाय और मनोकामना के अनुसार विशेष चढ़ावे लेकर पहुंचते हैं। किसान वर्ग भी अपनी फसल का एक हिस्सा या खेती से जुड़े प्रतीकात्मक चांदी के मॉडल भगवान को अर्पित करता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि भगवान सांवलिया सेठ की कृपा से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि मंदिर में हर वर्ष आस्था, विश्वास और समर्पण की ऐसी अनूठी मिसालें देखने को मिलती हैं।

पूजा के फूलों को कूड़ेदान में फेंकना पड़ सकता है भारी

यूनिक समय, मथुरा। पूजा-पाठ में भगवान को अर्पित किए जाने वाले फूल श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक माने जाते हैं। पूजा समाप्त होने के बाद कई लोग इन फूलों को सामान्य कचरे के साथ कूड़ेदान में फेंक देते हैं, जबकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसा करना उचित नहीं माना जाता। पूजा में अर्पित फूलों को निर्माल्य कहा जाता है और इनके सम्मानजनक उपयोग या विसर्जन की परंपरा बताई गई है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान को अर्पित की गई सामग्री सामान्य कचरा नहीं होती। इसलिए निर्माल्य को अन्य कचरे से अलग रखना चाहिए। यदि घर में बगीचा है तो इन फूलों को मिट्टी में दबाकर जैविक खाद तैयार की जा सकती है। इससे पौधों को पोषण मिलता है और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान होता है।

पूजा के फूलों की पंखुड़ियों को सुखाकर धूप, प्राकृतिक सुगंध, पोटपौरी या प्राकृतिक रंग बनाने में भी उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार उनका पुनः उपयोग करने से धार्मिक आस्था का सम्मान भी बना रहता है और जैविक अपशिष्ट का सदुपयोग भी हो जाता है। पहले पूजा सामग्री को

फूलों से बनाएं खाद धूप और प्राकृतिक सुगंधित सामग्री

नदियों और तालाबों में प्रवाहित करने की परंपरा थी, लेकिन वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए विशेषज्ञ ऐसा करने से बचने की सलाह देते हैं। फूलों के साथ प्लास्टिक, कपड़ा या अन्य सामग्री जल स्रोतों में जाने से प्रदूषण बढ़ सकता है। यदि विसर्जन करना आवश्यक हो तो स्थानीय नियमों और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पूजा के फूलों का सम्मानपूर्वक उपयोग न केवल धार्मिक दृष्टि से उचित माना जाता है, बल्कि यह प्रकृति संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम है।

पीली सरसों के उपायों से बढ़ती है सुख-समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में पीली सरसों को सकारात्मक ऊ र्जा और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि इसके सरल उपाय घर की नकारात्मकता दूर कर आर्थिक उन्नति और पारिवारिक सुख-शांति में सहायक हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार, शनिवार या रविवार को मुख्य द्वार पर थोड़ी-सी पीली सरसों छिड़ककर अगले दिन साफ करने से सकारात्मक वातावरण बनता है और रुके हुए कार्यों में गति आती है। वहीं आर्थिक मजबूती के लिए शनिवार को पीली सरसों को लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी या धन रखने के स्थान पर रखना शुभ माना जाता है। जरूरी कार्य पर निकलते समय दाहिने हाथ में थोड़ी पीली सरसों लेकर इष्टदेव का स्मरण करते हुए घर के बाहर बिखेरने की भी मान्यता है। ज्योतिष में पीली सरसों को सूर्य और गुरु ग्रह से जोड़कर देखा जाता है, जो ऊर्जा, ज्ञान और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, श्रद्धा और विश्वास के साथ किए गए ये उपाय सकारात्मक परिणाम देने वाले माने जाते हैं।

पैर में काला धागा किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं?

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में हाथ या पैर में काला धागा पहनने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। इसे कई लोग बुरी नजर से बचाव, धार्मिक आस्था और पारिवारिक परंपरा का प्रतीक मानते हैं। हालांकि, इसे धारण करने से जुड़े कुछ धार्मिक और ज्योतिषीय नियम भी बताए गए हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिन लोगों को बार-बार नजर लगने, कार्यों में बाधा आने या मानसिक अस्थिरता महसूस होने की शिकायत रहती है, वे काला धागा धारण करते हैं।

हर व्यक्ति के लिए काला धागा उपयुक्त नहीं है

धारण करने से पहले परंपरा और सलाह का रखें ध्यान

छोटे बच्चों को भी बुरी नजर से बचाने के लिए हाथ, पैर या कमर में काला धागा बांधा जाता है। हालांकि, इन मान्यताओं के समर्थन में वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, हर व्यक्ति के लिए काला धागा उपयुक्त नहीं माना जाता। जिन लोगों की कुंडली में शनि मजबूत हो या जिन्हें किसी अन्य विशेष उपाय की सलाह दी गई हो, उन्हें बिना विशेषज्ञ की सलाह के काला धागा नहीं पहनना चाहिए।

मान्यता है कि काला धागा साफ और बिना टूटा होना चाहिए। यदि वह टूट जाए या पुराना हो जाए, तो उसे बदल देना चाहिए।

कई लोग इसे मंगलवार या शनिवार को धारण करना शुभ मानते हैं, हालांकि यह अलग-अलग परंपराओं पर निर्भर करता है।

सावन में ऐसे करें शिव पर जलाभिषेक, नवग्रह दोष होंगे शांत

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास का शुभारंभ 30 जुलाई से हो रहा है। भगवान शिव की आराधना के लिए यह महीना सबसे पवित्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सावन में विधि-विधान से जलाभिषेक और रुद्राभिषेक करने से शिव कृपा प्राप्त होती है तथा कुंडली के नवग्रह दोषों के प्रभाव को कम करने में भी सहायता मिलती है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में किसी ग्रह का अशुभ प्रभाव है, तो साधारण जल या गंगाजल में उससे संबंधित विशेष सामग्री मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करना शुभ माना जाता है। इससे ग्रहों की पीड़ा शांत होने और मानसिक शांति प्राप्त होने की मान्यता है। सूर्य दोष से राहत के लिए आक (मदार) के पत्तों का रस जल में मिलाकर अभिषेक करें। चंद्र दोष के लिए काले तिल मिलाकर जल चढ़ाना शुभ माना गया है। मंगल दोष से मुक्ति के लिए गिलोय का रस, जबकि बुध दोष के लिए विधारा का रस जल में मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा है।

ग्रह दोष के अनुसार जल में मिलाएं विशेष सामग्री

श्रद्धापूर्वक रुद्राभिषेक करने से मिलेगी कृपा और शांति

गुरु दोष को शांत करने के लिए गाय के दूध में हल्दी मिलाकर अभिषेक करना लाभकारी माना जाता है। शुक्र दोष की शांति के लिए गाय के दूध से बनी छाछ से अभिषेक किया जाता है। वहीं शनि दोष से राहत के लिए शमी के पत्तों को पीसकर गंगाजल में मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करने की मान्यता है।

इसी प्रकार राहु दोष के लिए दूर्वा और केतु दोष के लिए कुश की जड़ को गंगाजल में मिलाकर जलाभिषेक करने का विधान बताया गया है। श्रद्धालु पूरे सावन मास में प्रतिदिन या प्रत्येक सोमवार को इन उपायों के साथ भगवान शिव की पूजा कर सकते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा, भक्ति और नियमपूर्वक किए गए शिव पूजन से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होने लगते हैं। सावन में "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जप और शिव परिवार की पूजा भी विशेष फलदायी मानी जाती है।

सम्पादकीय

कानून गरीबों पर सख्त रसूखदारों पर क्यों हैं मेहरबान

देर रात तक चलने वाली पार्टियां, नियमों की अनदेखी और कानून को चकमा देने के नए-नए तरीके अब किसी एक शहर की समस्या नहीं रह गए हैं। यह तस्वीर देश के अनेक महानगरों और बड़े शहरों में देखने को मिल जाती है। सवाल केवल आधी रात के बाद खुले रहने वाले लाउंज, बिना अनुमति नशा परोसने या हुक्के का नहीं है, बल्कि उस दोहरे प्रशासनिक रवैये का है, जो व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करता है।

विडंबना देखिए, एक ओर ठेला लगाने वाला, चाय बेचने वाला या छोटी दुकान चलाने वाला व्यक्ति समय सीमा पार होने पर चालान और कार्रवाई का सामना करता है, वहीं दूसरी ओर आलीशान लाउंज में देर रात तक संगीत, पार्टी और नियमों की अनदेखी चलती रहती है। कहीं बिल में असली वस्तु की जगह कोड लिखे जाते हैं तो कहीं भुगतान किसी दूसरे कारोबारी नाम से लिया जाता है। यदि ऐसा खुलेआम हो रहा है, तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि व्यवस्था को चुनौती भी है।

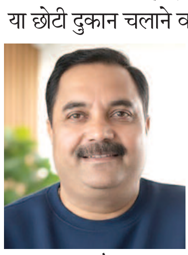
पवन गौतम
संपादक

यह स्थिति उत्तर प्रदेश के कई शहरों में भी समय-समय पर चर्चा का विषय बनती रही है। लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे शहरों में देर रात तक चलने वाले कैफे, बार और हुक्का लाउंज को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। कुछ दिनों तक अभियान चलता है, कार्रवाई होती है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। इससे आम नागरिक के मन में यह धारणा बनती है कि कानून का डंडा केवल कमजोर लोगों के लिए ही तेज चलता है। कानून का सम्मान तभी होता है, जब उसका पालन सभी के लिए समान रूप से हो। यदि गरीब के ठेले पर सख्ती हो और प्रभावशाली लोगों के प्रतिष्ठानों पर नरमी दिखाई दे, तो न्याय व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह केवल प्रशासन की साख का नहीं, बल्कि कानून के समान अनुपालन का भी प्रश्न है। व्यंग्य यह है कि अब नियमों से बचने के तरीके भी आधुनिक हो गए हैं। असली वस्तु का नाम बदलकर कोड लिख देना, भुगतान किसी अन्य कारोबार के नाम से लेना या कागजों पर सब कुछ सही दिखाना मानो नया "व्यापार मॉडल" बनता जा रहा है। कानून का पालन करने के बजाय उससे बच निकलने की तरकीबें खोजी जा रही हैं। जरूरत केवल औपचारिक छापेमारी की नहीं, बल्कि ऐसी निष्पक्ष व्यवस्था की है जिसमें कानून की नजर सड़क किनारे की दुकान और आलीशान प्रतिष्ठान-दोनों पर समान हो। लोकतंत्र की असली ताकत इसी में है कि नियम व्यक्ति की हैसियत देखकर नहीं, बल्कि उसके आचरण के आधार पर लागू हों। जब तक कानून सबके लिए बराबर नहीं दिखेगा, तब तक व्यवस्था पर जनता का भरोसा भी अधूरा ही रहेगा।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

संवाद की कमी से बिखर रहे परिवार सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी पारिवारिक व्यवस्था रही है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संस्कार, विश्वास, त्याग, धैर्य और परस्पर सहयोग की वह संस्था है, जिसने सदियों तक समाज को स्थिरता और नैतिक आधार प्रदान किया। बदलते समय, तेज़ होती जीवनशैली और तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने इस व्यवस्था को गहराई से प्रभावित किया है। आज रिश्तों में संवाद कम और दूरी अधिक दिखाई देने लगी है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक चर्चित हत्या प्रकरण की सुनवाई के दौरान संयुक्त परिवारों के टूटने और पारिवारिक मूल्यों के कमजोर पड़ने पर चिंता व्यक्त की। न्यायालय की यह टिप्पणी केवल एक मामले तक सीमित नहीं थी, बल्कि पूरे समाज को आत्ममंथन का संदेश देने वाली थी।

आज संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों का विस्तार हुआ है। आर्थिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत जीवन की आकांक्षा ने परिवारों की संरचना बदल दी है। यह बदलाव पूरी तरह नकारात्मक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इसके साथ अनेक सामाजिक चुनौतियां भी सामने आई हैं। पहले परिवार में किसी भी समस्या का समाधान सामूहिक अनुभव और संवाद से निकल जाता था। दादा-दादी, नाना-नानी और बड़े-बुजुर्ग केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि मार्गदर्शक होते थे। उनके अनुभव युवा पीढ़ी को धैर्य, संयम और रिश्तों की अहमियत सिखाते थे। अब यह परंपरा तेजी से कमजोर पड़ रही है।

आज परिवारों में भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन भावनात्मक निकटता घटती जा रही है। बड़े घरों में रहने वाले लोग भी मानसिक रूप से अकेले महसूस कर रहे हैं। माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद सीमित होता जा रहा है। भाई-बहनों के रिश्तों में पहले जैसी आत्मीयता कम दिखाई देती है। पति-पत्नी के संबंध भी तनाव, अविश्वास और अहंकार के कारण प्रभावित हो रहे हैं। कई मामलों में मामूली विवाद भी गंभीर अपराधों तक पहुंच रहे हैं। यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों के क्षरण का संकेत है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन तकनीक का अत्यधिक उपयोग रिश्तों के लिए चुनौती बन गया है। आज परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी मोबाइल और इंटरनेट की अलग-अलग दुनिया में खोए रहते हैं। भोजन के समय बातचीत की जगह स्क्रीन ने ले ली है। बच्चों का बचपन खेल, कहानियों और

पारिवारिक संवाद के बजाय डिजिटल उपकरणों के बीच बीत रहा है। इससे उनका भावनात्मक विकास प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है, जिसे कोई तकनीक प्रतिस्थापित नहीं कर सकती।

भारतीय संस्कृति में परिवार को जीवन-मूल्यों की पहली पाठशाला माना गया है। यहीं से व्यक्ति सहयोग, करुणा, क्षमा, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे गुण सीखता है। संयुक्त परिवारों में हर सदस्य दूसरे की खुशियों और कठिनाइयों का सहभागी होता था। किसी एक व्यक्ति की परेशानी पूरे परिवार की चिंता बन जाती थी। यही सामूहिकता भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत थी। आधुनिक जीवनशैली में यह भावना कमजोर पड़ती दिखाई दे रही है, जिससे अकेलापन, तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

रिश्तों में बढ़ती दूरियों का एक बड़ा कारण संवाद की कमी भी है। पहले परिवार के लोग प्रतिदिन साथ बैठकर दिनभर की बातें साझा करते थे। मतभेद होने पर बातचीत से समाधान निकलता था। अब संवाद की जगह आरोप, तर्क और अहंकार ने ले ली है। कई बार छोटी-छोटी असहमतियां भी रिश्तों में बड़ी दरार पैदा कर देती हैं। विवाह, जिसे भारतीय संस्कृति में आजीवन संस्कार माना गया, अब कई लोगों के लिए केवल सुविधानुसार निभाया जाने वाला संबंध बनता जा रहा है। यही कारण है कि पारिवारिक विवादों और वैवाहिक मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

यह भी सच है कि बदलते समय में महिलाओं की शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत अधिकारों का विस्तार समाज की सकारात्मक उपलब्धि है। लेकिन परिवार तभी मजबूत रह सकता है, जब अधिकारों के साथ कर्तव्यों और परस्पर सम्मान का भी समान महत्व हो। पति-पत्नी के बीच विश्वास, संवाद और सहयोग किसी भी परिवार की नींव होते हैं। यदि इन मूल्यों की उपेक्षा होगी तो आर्थिक समृद्धि भी रिश्तों को मजबूत नहीं बना सकेगी। बुजुर्गों की भूमिका भी आज पहले की तुलना में सीमित होती जा रही है। अनेक परिवारों में वरिष्ठ नागरिक उपेक्षा और अकेलेपन का जीवन जी रहे हैं। जबकि उनके अनुभव परिवार के लिए अमूल्य धरोहर होते हैं। बच्चों को संस्कार देने, जीवन के कठिन निर्णयों में मार्गदर्शन करने और परिवार को जोड़कर रखने में बुजुर्गों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि उन्हें सम्मान और सक्रिय भूमिका मिले तो परिवारों में कई समस्याओं का समाधान सहज रूप से निकल सकता है।

समाज में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और भौतिक सफलता की दौड़ ने भी रिश्तों पर प्रभाव डाला है। लोग करियर, आय और सुविधाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, जबकि परिवार के साथ बिताया जाने वाला समय लगातार कम हो रहा है। आर्थिक विकास आवश्यक है, लेकिन यदि उसकी कीमत रिश्तों के विघटन के रूप में चुकानी पड़े तो यह विकास अधूरा माना जाएगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्य भी होते हैं।

समाधान केवल कानून या न्यायालयों से नहीं निकल सकता। परिवारों को स्वयं संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। सप्ताह में कुछ समय ऐसा तय किया जाना चाहिए, जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे, बातचीत करे और एक-दूसरे की भावनाओं को समझे। विद्यालयों में जीवन-मूल्य, भावनात्मक शिक्षा और पारिवारिक जिम्मेदारियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। विवाह-पूर्व परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और पारिवारिक परामर्श जैसी व्यवस्थाओं को भी सामाजिक स्तर पर प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

भारत यदि सांस्कृतिक नेतृत्व का दावा करता है तो उसे अपनी पारिवारिक परंपराओं को भी मजबूत बनाए रखना होगा। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हमारे अपने परिवार विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर मजबूत बने रहें। आधुनिकता और तकनीक का स्वागत आवश्यक है, लेकिन उन्हें रिश्तों का विकल्प नहीं बनने देना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की चिंता वास्तव में समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यदि परिवार मजबूत होंगे तो समाज भी मजबूत होगा, और यही भारत की सांस्कृतिक पहचान तथा भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति सिद्ध होगी।

विचार विंडो

स्व-देखभाल बने जीवनशैली, तभी स्वस्थ होगा समाज और राष्ट्र

ललित गर्ग

अंतराष्ट्रीय स्व-देखभाल दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता का स्मरण कराने वाला अवसर है। बदलती जीवनशैली, बढ़ते मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या और जीवनशैली जनित बीमारियों के इस दौर में यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन की शुरुआत स्वयं से होती है। जब व्यक्ति अपने शरीर, मन और भावनाओं का संतुलित ढंग से ध्यान रखता है, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र भी स्वस्थ और सशक्त बनते हैं। इसलिए स्व-देखभाल केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व भी है। आज विज्ञान और तकनीक ने जीवन को पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक बनाया है। आधुनिक चिकित्सा ने अनेक गंभीर बीमारियों का उपचार संभव किया है, लेकिन इसके बावजूद तनाव, अवसाद, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मोटापे जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका सबसे बड़ा कारण असंतुलित जीवनशैली है। लोग काम, व्यवसाय और सामाजिक जिम्मेदारियों के लिए समय निकाल लेते हैं, लेकिन अपने स्वास्थ्य के लिए कुछ मिनट भी नियमित रूप से नहीं दे पाते। यही लापरवाही धीरे-धीरे गंभीर रोगों का कारण बन जाती है।

स्व-देखभाल का अर्थ केवल बीमारी होने पर डॉक्टर के पास जाना या समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखना। पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और अनुशासित दिनचर्या स्व-देखभाल के मूल आधार हैं। यदि व्यक्ति इन बातों को अपनी दैनिक आदत बना ले, तो अनेक बीमारियों से बचाव संभव है और जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। स्वस्थ शरीर ही व्यक्ति को परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने की शक्ति देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इस बात पर बल देता है कि उपचार से अधिक महत्वपूर्ण रोगों की रोकथाम है। यदि लोग स्वयं अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें, तो अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं पर अनावश्यक दबाव कम होगा। इसके लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी स्वयं स्वीकार करनी होगी। स्वस्थ समाज का निर्माण तभी होगा, जब स्वास्थ्य को केवल चिकित्सा का विषय नहीं, बल्कि जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा माना जाएगा।

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य को हमेशा समग्र दृष्टि से देखा गया है। यहां शरीर, मन और आत्मा

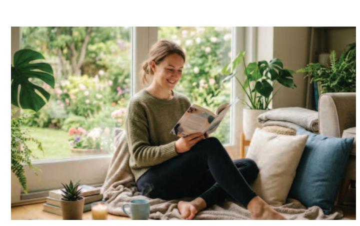

के संतुलन को ही वास्तविक स्वास्थ्य माना गया है। आयुर्वेद, योग, प्राणायाम, ध्यान, सात्त्विक भोजन और संयमित जीवनशैली इसी सोच के आधार हैं। भारतीय परंपरा का प्रसिद्ध वाक्य 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' स्पष्ट करता है कि स्वस्थ शरीर ही प्रत्येक श्रेष्ठ कार्य का आधार है। यही कारण है कि भारत में स्वास्थ्य और अध्यात्म को कभी अलग-अलग नहीं माना गया। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित जीवन जीने की कला है। प्राणायाम मानसिक तनाव को कम करता है, ध्यान मन को स्थिर बनाता है और संयमित जीवनशैली व्यक्ति को दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रदान करती है। डिजिटल युग ने भी स्वास्थ्य के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। घंटों मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग आंखों, रीढ़ और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। सोशल मीडिया की अत्यधिक निर्भरता तनाव, चिंता और अकेलेपन को बढ़ा रही है। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी आपसी संवाद के बजाय स्क्रीन पर अधिक समय बिताने लगे हैं। ऐसे में डिजिटल अनुशासन भी स्व-देखभाल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। दिन का कुछ समय बिना मोबाइल के परिवार, प्रकृति और स्वयं के साथ बिताना मानसिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। स्व-देखभाल का संबंध केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। मानसिक और भावनात्मक संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाओं के कारण आज बड़ी संख्या में लोग तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों की सलाह लेना कमजोरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का परिचायक है। स्वस्थ मन ही सकारात्मक सोच, बेहतर निर्णय क्षमता और सफल जीवन का आधार बनता है। बच्चों और युवाओं में भी स्वस्थ आदतों का विकास समय की मांग है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में योग, खेल, ध्यान, जीवन कौशल और स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। परिवारों में पौष्टिक भोजन, नियमित दिनचर्या और सामूहिक संवाद की संस्कृति विकसित करनी होगी। यदि बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली की आदतें विकसित होंगी, तो भविष्य में जीवनशैली जनित बीमारियों का खतरा काफी कम हो सकता है। स्वस्थ पीढ़ी ही विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगी।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं, लेकिन इनकी सफलता स्वस्थ नागरिकों पर ही निर्भर करती है। बीमार, तनावग्रस्त और असंतुलित समाज कभी दीर्घकालिक विकास का आधार नहीं बन सकता। इसलिए, स्वास्थ्य को विकास की रणनीति का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। कार्यस्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक जीवन में योग, व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली पहलें व्यापक स्तर पर लागू की जानी चाहिए।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, महामारी और मानसिक स्वास्थ्य संकट जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। इन समस्याओं का समाधान केवल दवाओं और अस्पतालों से संभव नहीं है। संतुलित जीवनशैली, आत्म-अनुशासन, प्रकृति के साथ सामंजस्य और नियमित स्व-देखभाल ही दीर्घकालिक समाधान प्रदान कर सकते हैं। भारत के पास योग, आयुर्वेद, ध्यान और समग्र स्वास्थ्य दर्शन जैसी अमूल्य धरोहर है, जो विश्व को स्वस्थ जीवन की दिशा दिखा सकती है।

टीम इंडिया छोड़ते ही केकेआर में रयान को मिली नई जिम्मेदारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच रयान टेन डोएशेट को टीम इंडिया से अलग होने के 24 घंटे के भीतर नई जिम्मेदारी मिल गई है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें हेड ऑफ क्रिकेट स्ट्रेटेजी और टैलेंट एक्विजिशन नियुक्त किया है। इस भूमिका में वह खिलाड़ियों की खोज, टीम निर्माण और दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने का काम संभालेंगे।

केकेआर प्रबंधन की ओर से जारी बयान के अनुसार, रयान टेन डोएशेट नाइट राइडर्स के वैश्विक क्रिकेट नेटवर्क में स्काउटिंग, टैलेंट एक्विजिशन, टीम प्लानिंग और प्रदर्शन समीक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का नेतृत्व करेंगे। इसके अलावा वे कैरेबियन प्रीमियर लीग की ट्रिनबागो नाइट राइडर्स, आईएलटी20 की अबू धाबी नाइट राइडर्स और मेजर लीग क्रिकेट की लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स टीमों के साथ भी सहायक कोच के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

क्रिकेट रणनीति की कमान संभालेंगे

वैश्विक नाइट राइडर्स नेटवर्क में निभाएंगे अहम नई भूमिका

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने डोएशेट का स्वागत करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और फ्रेंचाइजी क्रिकेट का उनका व्यापक अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि डोएशेट की रणनीतिक सोच और खेल की गहरी समझ से टीम को भविष्य में बड़ा लाभ मिलेगा। रयान टेन डोएशेट ने भी नई जिम्मेदारी मिलने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नाइट राइडर्स परिवार में वापसी उनके लिए विशेष अवसर है। उन्होंने बताया कि वह कोचिंग और एनालिटिक्स टीमों के साथ मिलकर स्काउटिंग प्रणाली को मजबूत करेंगे और फ्रेंचाइजी के लिए दीर्घकालिक क्रिकेट रणनीति तैयार करने पर काम करेंगे। रयान टेन डोएशेट का केकेआर से पुराना और सफल रिश्ता रहा है। वह वर्ष 2011 में खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़े थे और 2012 तथा 2014 में आईपीएल खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। बाद में 2022 में उन्होंने कोचिंग स्टाफ के सदस्य के रूप में वापसी की और आईपीएल 2024 में टीम के तीसरे खिताब के दौरान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब नई जिम्मेदारी के साथ एक बार फिर उनसे केकेआर के भविष्य को मजबूत करने की उम्मीदें जुड़ गई हैं।

शोभा डे ने फिल्मी सितारों की टिप्पणियों पर साधा निशाना

सलमान की टिप्पणी को बताया बेहद असंवेदनशील और आपत्तिजनक

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रसिद्ध लेखिका शोभा डे ने हाल के सामाजिक मुद्दों पर कुछ फिल्मी हस्तियों की टिप्पणियों की तीखी आलोचना की है। उन्होंने अभिनेता सलमान खान, कंगना रनौत, अनुपम खेर और हेमा मालिनी के बयानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को संवेदनशील विषयों पर अधिक जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

शोभा डे ने अपने एक लेख में विशेष रूप से सलमान खान की उस टिप्पणी की आलोचना की, जो सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर की गई थी। उनके अनुसार, इस तरह का हल्का–फुल्का मजाक किसी गंभीर सामाजिक विषय पर उचित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों को लेकर पहले से अधिक जागरूक है तथा ऐसे बयानों को सहजता से स्वीकार नहीं करती। लेखिका ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर प्रभाव रखने वाले कलाकारों के शब्दों का व्यापक असर पड़ता है। इसलिए किसी भी टिप्पणी में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का ध्यान रखना आवश्यक है।

कंगना रनौत की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए शोभा डे ने कहा कि बेबाकी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ मर्यादा का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, सार्वजनिक मंचों पर व्यक्त विचार संयमित और संतुलित होने चाहिए।

कंगना, हेमा मालिनी समेत कई कलाकारों की बयानबाजी पर उठाए सवाल

उन्होंने अनुपम खेर और हेमा मालिनी सहित अन्य कलाकारों की टिप्पणियों पर भी असहमति जताई। शोभा डे का कहना है कि समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते समय संवाद की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। उनका मानना है कि लोकप्रिय हस्तियों को ऐसे विषयों पर बयान देते समय युवाओं की भावनाओं और सामाजिक परिस्थितियों का सम्मान करना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से मिली महाप्रभु जगन्नाथ फिल्म को राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट कहा कि न्यायालय कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति में अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकता। इस निर्णय के बाद फिल्म की रिलीज का रास्ता साफ हो गया है।

फिल्म को लेकर श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया था कि इसमें भगवान जगन्नाथ के स्वरूप को कार्टून शैली में प्रस्तुत किया गया है, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती हैं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने इस आधार पर फिल्म की रिलीज रोकने से इंकार कर दिया।

फिल्म का निर्देशन श्रीपाद वार्खेडकर ने किया है, जबकि इसके निर्माता दुर्गा प्रसाद दलाई और एले एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड हैं। यह फिल्म हिंदी, ओड़िया और तेलुगु भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगी।

रिलीज रोकने की मांग अदालत ने अस्वीकार की

कला और रचनात्मक अभिव्यक्ति में हस्तक्षेप से किया इनकार

फिल्म का विवाद टीजर जारी होने के बाद शुरू हुआ था। पहले इसका नाम 'जय जगन्नाथ' था। आपत्तियों के बाद मंदिर प्रशासन के सुझावों के अनुरूप कुछ बदलाव भी किए गए। अब सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद फिल्म की रिलीज का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है।

मेहनत के बदले पूरा सम्मान और मेहनताना मिले: शहनाज

यूनिक समय। अभिनेत्री शहनाज गिल ने कहा है कि अब वह बिना मेहनताना लिए काम नहीं करतीं। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि करियर की शुरुआत में कई परियोजनाओं में बिना फीस के काम किया, लेकिन उन्हें अपेक्षित सम्मान नहीं मिला।

शहनाज ने कहा कि आज उनके लिए पैसा केवल कमाई का साधन नहीं, बल्कि मेहनत और सम्मान का प्रतीक है। इसलिए अब वह अपने काम की उचित कीमत मांगने से पीछे नहीं हटतीं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी

अच्छी कहानी को देती हैं पहली प्राथमिकता

फिल्म की कहानी और उनका किरदार प्रभावशाली हो तो वह फीस में समझौता कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि वह केवल ग्लैमर या पैसे के लिए किसी फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं। उनके लिए अच्छी कहानी और मजबूत भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है। शहनाज का मानना है कि हर कलाकार को अपने अधिकार और मेहनत का उचित सम्मान मिलना चाहिए।

फिल्म 'बटवारा 1947' के ट्रेलर समारोह में पिता को याद कर भावुक हुए सनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'बटवारा 1947' के ट्रेलर लॉन्च समारोह में अभिनेता सनी देओल उस समय भावुक हो गए, जब निर्देशक राजकुमार संतोषी ने दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र से जुड़ी एक याद साझा की। संतोषी ने बताया कि यह अंतिम फिल्म थी, जिसे धर्मेंद्र ने अपने जीवनकाल में देखा था और उन्होंने पूरी टीम को दिल से आशीर्वाद दिया था।

राजकुमार संतोषी के अनुसार, जब धर्मेंद्र ने फिल्म की कहानी सुनी और बाद में फिल्म देखी, तो उनकी आंखें नम हो गई थीं। उन्होंने फिल्म की सराहना करते हुए कहा था कि यह दर्शकों को अवश्य पसंद आएगी। संतोषी की यह बात सुनते ही मंच पर मौजूद सनी देओल अपने पिता की स्मृतियों में भावुक हो उठे।

फिल्म के निर्माण से जुड़े लोगों ने भी धर्मेंद्र के आशीर्वाद को पूरी टीम के

राजकुमार संतोषी ने सुनाई धर्मेंद्र की अंतिम प्रतिक्रिया

चौदह अगस्त को विश्वभर में प्रदर्शित होगी बहुप्रतीक्षित फिल्म

लिए प्रेरणा बताया। यह फिल्म भारत विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसमें सनी देओल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

फिल्म में प्रीति जिंटा, शबाना आजमी, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। निर्माताओं के अनुसार, 'बटवारा 1947' 14 अगस्त 2026 को विश्वभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

उंगली चटकाकर फील्डर ने अंपायर को सरेआम दिया चकमा

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड की एक क्लब क्रिकेट प्रतियोगिता में खेल भावना को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। नॉर्थ यॉर्कशायर एंड साउथ डरहम क्रिकेट लीग के एक मुकाबले में फील्डर पर अंपायर को भ्रमित कर बल्लेबाज को आउट कराने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद लीग प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

यह विवाद साल्टबर्न और नॉर्टन की द्वितीय एकादश के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुआ। वीडियो में दिखाई देता है कि जैसे ही गेंद बल्लेबाज नोमान शब्बीर के बल्ले के पास से गुजरती है, स्लिप में खड़ा फील्डर उंगली चटकाता है। उसी समय गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में पहुंचती है और पूरी टीम कैच की जोरदार अपील करती है। चुटकी की आवाज को बल्ले का किनारा समझकर अंपायर बल्लेबाज को आउट घोषित कर देते हैं। नॉर्टन टीम का आरोप है कि फील्डर ने जानबूझकर अंपायर को भ्रमित करने के लिए यह तरीका अपनाया। निर्णय के बाद खिलाड़ियों ने नाराजगी जताई और मैच के बाद पूरे घटनाक्रम की शिकायत लीग प्रबंधन से की गई। मामला सोशल मीडिया पर पहुंचते ही क्रिकेट प्रेमियों ने खेल भावना पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई पूर्व खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने निष्पक्ष खेल की आवश्यकता पर जोर देते हुए दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। लीग प्रशासन ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि घटना की औपचारिक शिकायत प्राप्त हो चुकी है और पूरे मामले की

चुटकी की आवाज से बल्लेबाज को कराया गया आउट

वीडियो वायरल होने पर लीग ने शुरू की जांच

निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच पूरी होने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लीग अधिकारियों, संबंधित क्लब और कानूनी प्रतिनिधियों के बीच बैठक भी प्रस्तावित है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। इस घटना ने एक बार फिर खेल में ईमानदारी और निष्पक्षता के महत्व को चर्चा का विषय बना दिया है।

लखनऊ में बाल्टी में डूबकर छह माह के मासूम की मौत

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी के पीजीआई क्षेत्र स्थित सतगुरुपुरम कॉलोनी में बुधवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में छह माह के मासूम की पानी से भरी बाल्टी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, गोंसाईगंज–सुलतानपुर रोड निवासी कुलदीप अपनी पत्नी शिवानी और छह माह के बेटे के साथ चरन भट्ठा रोड स्थित सतगुरुपुरम कॉलोनी में किराये के मकान में रहते हैं।

कुलदीप मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। उनका बेटा परिवार की पहली संतान था।

खेलते समय पानी भरी बाल्टी में अचानक गिरा बच्चा

मां घरेलू काम में व्यस्त हादसे से परिवार स्तब्ध

बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे कुलदीप काम पर चले गए। इसके बाद शिवानी घरेलू कार्यों में व्यस्त हो गईं। इसी दौरान मासूम खेलते–खेलते तख्त के नीचे रखी पानी से भरी बाल्टी के पास पहुंच गया और उसमें गिर गया। कुछ देर बाद जब बच्चा दिखाई नहीं दिया तो मां ने उसकी तलाश शुरू की। बाल्टी में बच्चे को देखकर वह घबरा गईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन बच्चे का शव लेकर गोंसाईगंज पहुंचे, जहां अंतिम संस्कार किया गया।

तालाब में डूबकर दो सगी बहनों की दर्दनाक मौत

पशु चराने गई बच्चियों के साथ हुआ हादसा

ग्रामीणों ने एक बच्चे को बचाया, मचा कोहराम

यूनिक समय, आगरा। जगनेर थाना क्षेत्र के बरिगवां खुर्द गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बच्चियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी 12 वर्षीय पूनम और 8 वर्षीय टिंकल अन्य बच्चों के साथ पशु चराने गई थीं। इसी दौरान तीन बच्चे किसी तरह तालाब में गिर गए। पानी में डूबने लगे बच्चों की चीख सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने प्रयास कर एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी दोनों बहनों को नहीं बचाया जा सका। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब पर पहुंच गए। दोनों बच्चियों की मौत की खबर से परिवार में चीख–पुकार मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जानकारी जुटाई। अधिकारियों ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तालाबों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की है।

डिजिटल साक्ष्यों से पुलिस जांच में हुए अहम खुलासे

एआई के सहारे रची अपहरण हत्या फिरौती की साजिश

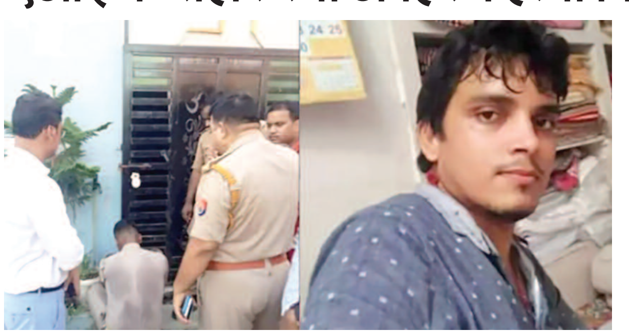

यूनिक समय, गोरखपुर। सराफा कारोबारी के 10 वर्षीय बेटे वैभव वर्मा के अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस जांच के दौरान कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी सर्वेश भट्ट ने पूरी साजिश की योजना बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित माध्यमों का इस्तेमाल किया। जांच में उसके मोबाइल से फिरौती मांगने के तरीके, अपराधी गिरोहों की कार्यप्रणाली और अन्य संबंधित विषयों पर की गई ऑनलाइन खोज से जुड़े डिजिटल

वर्चुअल नंबर लेकर गैंग नाम से भेजे व्हाट्सएप संदेश

साक्ष्य मिले हैं।

पुलिस का कहना है कि आरोपी ने 199 रुपये में कंबोडिया का एक वर्चुअल मोबाइल नंबर खरीदा और उसी से एक व्हाट्सएप खाता बनाकर कुख्यात गैंग के नाम का इस्तेमाल करते हुए कारोबारी को संदेश भेजा। प्रारंभिक योजना बड़ी फिरौती मांगने की थी। इसके लिए कथित रूप से एक फर्जी बैंक खाते की भी व्यवस्था की गई थी। हालांकि शुरुआती संदेश से योजना सफल नहीं हो सकी।

घटना सोमवार को सामने आई, जब स्कूल से लौटने के बाद वैभव घर से साइकिल लेकर निकला और लापता हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पड़ोस में रहने वाले कंप्यूटर शिक्षक सर्वेश भट्ट को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उसके मकान के बेसमेंट से बालक का शव बरामद किया गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और व्यापारियों में भारी आक्रोश फैल गया। सड़क जाम और प्रदर्शन के बीच वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों से वार्ता की। पुलिस ने बताया कि मामले की सभी डिजिटल गतिविधियों, संपर्कों और साक्ष्यों की गहन जांच जारी है तथा जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सपा जिलाध्यक्ष पर हमले के आरोप की जांच शुरू हुई

यूनिक समय, चंदौली। समाजवादी पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष गार्गी सिंह पटेल ने बहादुरपुर के पूर्व प्रधान एवं सपा कार्यकर्ता वीरेंद्र यादव पर गला दबाकर हत्या का प्रयास और छेड़खानी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मंगलवार शाम बातचीत के दौरान विवाद बढ़ने पर उनके साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद मामला शांत हुआ। दूसरी ओर, पूर्व प्रधान वीरेंद्र यादव ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वह अपना पक्ष स्पष्ट करने गार्गी सिंह पटेल के घर गए थे। उनके अनुसार, विवाद के दौरान उनके साथ भी मारपीट हुई और उन्हें चोटें आईं। उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताया। घटना के संबंध में दोनों पक्षों ने मुगलसराय कोतवाली में अलग–अलग तहरीर दी है।

थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायतें प्राप्त हो गई हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दानपेटी लेकर संसद पहुंचीं डिंपल, सपा ने किया प्रदर्शन

चढ़ावा विवाद पर सरकार को घेरा लगाए नारे

यूनिक समय, लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर बुधवार को समाजवादी पार्टी के सांसदों ने संसद भवन के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा सांसद डिंपल यादव दानपेटी लेकर संसद पहुंचीं और सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने प्रदर्शन में शामिल सांसदों और अन्य लोगों से दानपेटी में पैसे डालने की अपील की। इसके बाद कई सपा सांसदों ने उसमें धनराशि डाली और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी नोट डालकर प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शन के दौरान सपा सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। डिंपल यादव ने आरोप लगाया कि चंदे से जुड़े मामले में सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

अखिलेश यादव ने कहा कि श्रद्धा से जुड़े मामलों में पारदर्शिता जरूरी है। वहीं अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने भी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। संसद में इस मुद्दे को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरने का प्रयास किया।

हरिद्वार जा रही पिकअप ट्रक से टकराई, तीन की मौत

गंगनहर मार्ग हादसे में 13 लोग हुए घायल

यूनिक समय, वाराणसी। निवाड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में बोलेरो पिकअप और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया।

पुलिस के अनुसार, राजस्थान के अलवर जिले के तिजारा क्षेत्र के कुछ लोग नई बोलेरो पिकअप की पूजा कराने और गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जा रहे थे। चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर गंगनहर के पास सामने से आ रहे ट्रक से उनकी गाड़ी टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक पिकअप को करीब 500 मीटर तक घसीटता ले गया। हादसे में रमेश (22), रतन (23) और सरजीत (35) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक और खलासी को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार हादसे की वजह सामने आ रही है। मामले की जांच जारी है।

गुरु पूर्णिमा पर आस्था का दिखा अद्भुत संगम

काशी में मुस्लिमों ने संत की उतारी आरती

प्रयागराज में किन्नर अखाड़े ने निकाली गुरु वंदना यात्रा

यूनिक समय, वाराणसी। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धा, भक्ति और गुरु–शिष्य परंपरा की अनूठी झलक देखने को मिली। वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या समेत कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने संतों का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

वाराणसी में जगद्गुरु बाबा बालक दास के प्रति मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सम्मान और आस्था प्रकट करते हुए उनकी आरती उतारी। इस दौरान उन्होंने संत का आशीर्वाद लिया। गंगा घाटों पर भी सुबह से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भक्तों ने गंगा स्नान कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

प्रयागराज में सनातनी किन्नर अखाड़े की ओर से गुरु वंदना यात्रा निकाली गई। यात्रा में आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि रथ पर सवार रहीं। किन्नर समुदाय के लोगों ने भजनों पर नृत्य करते हुए गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। अयोध्या में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन–पूजन किया और धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। संतों के आश्रमों में भी गुरु पूजन और आशीर्वाद लेने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी।

वाराणसी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में विशेष श्रृंगार किया गया। मध्य आरती के दौरान बाबा विश्वनाथ को राम नाम की माला पहनाई गई। वहीं, लोक गायिका मालिनी अवस्थी के शिष्यों ने गुरु पूर्णिमा पर कजरी और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लखनऊ सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में भी गुरु दक्षिणा कार्यक्रमों का आयोजन शुरू हुआ। विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने गुरु–शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम आयोजित किए। पूरे प्रदेश में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सेवा और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाया गया।

अव्यवस्थाओं पर कमिश्नर ने लगाई कड़ी फटकार

यूनिक समय, हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट में कांवड़ यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण करने पहुंचे मंडलायुक्त भानु चंद्र गोस्वामी ने अव्यवस्थाओं और गंदगी पर कड़ी नाराजगी जताई। उनके साथ डीआईजी कलानिधि नैथानी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, पेयजल, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सुविधाओं का जायजा लिया गया।

कांवड़ यात्रा तैयारियों में मिली गंदगी, अधिकारियों को चेतावनी

सभी व्यवस्थाएं तत्काल सुधारने के दिए सख्त प्रशासनिक निर्देश

कई स्थानों पर गंदगी और अधूरी तैयारियां मिलने पर मंडलायुक्त ने नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी से जवाब तलब किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांवड़ यात्रा जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त की फटकार का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसकी क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका की कार्यशैली और विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी कमियों को दूर कर श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सुचारु व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

राहुल के भाषण पर लोकसभा में जमकर मचा हंगामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण पर जोरदार हंगामा हो गया। करीब 50 मिनट के संबोधन में राहुल गांधी ने छात्र आंदोलनों, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका पर सवाल उठाए। भाषण के दौरान उन्होंने एक छात्रा के कथन का हवाला देते हुए 'इडियट' शब्द का प्रयोग किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और

इडियट शब्द पर सत्ता पक्ष ने जताई कड़ी आपत्ति

रिजिजू और राजनाथ ने कहा- राहुल गांधी मांगें माफी

पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के बीच टकराव जारी

वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने इसे असंसदीय बताते हुए राहुल गांधी से माफी की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने यह शब्द किसी सांसद के लिए नहीं, बल्कि एक छात्रा के कथन के संदर्भ में इस्तेमाल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि केवल एक पक्ष को बोलने की अनुमति है तो वह चुप हो सकते हैं। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की गरिमा बनाए रखने की नसीहत देते हुए संबंधित शब्द को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि छात्रों के साथ अन्याय हुआ, शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई और युवाओं की आवाज को दबाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों पर कठोर कार्रवाई की गई।

इस पर किरेन रिजिजू ने गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोपों को निराधार बताया और माफी की मांग की। अखिलेश यादव ने मामले की जांच कराने की बात कही, जबकि विपक्षी सांसदों ने "राहुल गांधी को बोलने दो" के नारे लगाए।

हंगामा बढ़ने पर लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2:30 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और सांसद बांसुरी स्वराज सरकार का पक्ष रख चुके थे, जबकि विपक्ष की ओर से गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, पप्पू यादव और केसी वेणुगोपाल ने भी पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे।

राहुल के अंधभक्त बयान पर मचा बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'अंधभक्त' संबंधी बयान पर जोरदार हंगामा हो गया।

पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने एक छात्रा से हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए तीन श्रेणियों-विद्यार्थी, मूर्ख और अंधभक्त-का जिक्र किया। इस पर संसदीय कार्य मंत्री

शिक्षा व्यवस्था पर सरकार को घेरा

किरेन रिजिजू ने इसे असंसदीय बताते हुए शब्दों को कार्यवाही से हटाने की मांग की। राहुल गांधी ने शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका पर भी सरकार को घेरा। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए बाधित रही।

बंदी सिखों की रिहाई मांगते प्रदर्शनकारियों ने तोड़े बैरिकेड, बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को चंडीगढ़ में प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनावपूर्ण स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने वाटर कैनन का रुख मोड़ने का भी प्रयास किया। इसके बाद भीड़ आगे बढ़कर निर्धारित क्षेत्र की ओर पहुंचने लगी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस पहले से ही अलर्ट पर थी। शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और कई प्रमुख मार्गों पर यातायात का डायवर्जन लागू किया गया। अधिकारियों ने लोगों से अनावश्यक यात्रा

चंडीगढ़ में पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को रोका

यातायात व्यवस्था संभालने को कई मार्गो पर प्रतिबंध लागू

से बचने और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की। यातायात पुलिस ने अंतरराज्यीय बसों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं, ताकि जाम की स्थिति न बने। प्रशासन ने नागरिकों से शांति बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और केवल आधिकारिक माध्यमों से जारी यातायात व सुरक्षा संबंधी जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है।

साईं बाबा को चढ़ाया 1.05 करोड़ का सोने का मुकुट

आंध्र प्रदेश के भक्त ने दिखाई अनुपम श्रद्धा और भक्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महाराष्ट्र के शिरडी स्थित श्री साईं बाबा मंदिर में एक भक्त ने अद्भुत श्रद्धा का परिचय दिया। आंध्र प्रदेश के साईं भक्त ने लगभग 1.05 करोड़ रुपये मूल्य का स्वर्ण मुकुट साईं बाबा को गुरु दक्षिणा और अपनी अटूट आस्था के प्रतीक के रूप में अर्पित किया। इस विशेष भेंट को श्री साईं बाबा संस्थान ने विधिवत स्वीकार किया।

संस्थान के अनुसार, स्वर्ण मुकुट भक्त की गहरी श्रद्धा, विश्वास और गुरु के प्रति समर्पण का प्रतीक है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशभर से हजारों श्रद्धालु शिरडी पहुंचे और साईं बाबा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में पूरे दिन धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और विशेष आरती का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने इसे साईं बाबा के प्रति अपनी भक्ति और गुरु परंपरा के सम्मान का अनूठा उदाहरण बताया। गुरु पूर्णिमा के पर्व पर यह स्वर्ण मुकुट आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा।

पांच मांगों को लेकर भोपाल में किसानों का उग्र प्रदर्शन

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन बुधवार को उग्र हो गया। बड़ी संख्या में किसान मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे। प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर किसानों ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया, जबकि पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी। हालात को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बदली गई और कई स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया।

किसानों की प्रमुख मांगों में मूंग की पूरी खरीदी, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, खाद की पर्याप्त उपलब्धता, अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को रद्द करना तथा किसानों से किए गए सरकारी वादों को पूरा करना शामिल है।

इन मांगों को लेकर किसान संगठन 'किसान क्रांति पदयात्रा' के माध्यम से मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचने पर अड़े रहे। नर्मदापुरम, हरदा, रायसेन और सीहोर सहित कई जिलों से हजारों किसान भोपाल पहुंचे। वीर सावरकर सेतु के आसपास धरने पर डटे किसानों ने बसों की छतों पर चढ़कर नारेबाजी की। किसान नेता गजेंद्र सिंह जाट ने कहा कि यदि प्रशासन रास्ता रोकेगा तो किसान वैकल्पिक मार्ग अपनाकर भी मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचेंगे और आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं।

आंदोलन को युवाओं का भी समर्थन मिला। बड़ी संख्या में युवा पोस्टर और तख्तियां लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से उनकी समस्याओं का समाधान करने की अपील की।

मुख्यमंत्री आवास घेरने पहुंचे हजारों किसानों ने चेतावनी दी

सरकार बोली संवाद से निकलेगा किसानों की समस्याओं का समाधान

उधर कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा दिया। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखकर मध्य प्रदेश के लिए मूंग खरीदी का कोटा बढ़ाने का अनुरोध भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार किसानों से संवाद के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध है।

लोकसभा में डिंपल की मुस्कान वाला पल हुआ वायरल

अखिलेश के भाषण के दौरान कैमरे से बचती दिखीं डिंपल

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही के दौरान समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के भाषण के बीच उनकी पत्नी एवं मैनपुरी सांसद डिंपल यादव का एक सहज पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। एंटी पेपर लीक विधेयक पर बोलते समय कैमरा जैसे ही उनकी ओर घूमा, डिंपल यादव मुस्कुराते हुए अखिलेश यादव के पीछे छिपने का प्रयास करती नजर आईं। उनके पास बैठीं कैराना सांसद इकरा हसन भी यह देखकर मुस्कुरा उठीं। सदन की गंभीर बहस के बीच यह हल्का-फुल्का दृश्य लोगों को काफी पसंद आया और सोशल मीडिया पर इसे "क्यूट मोमेंट" बताया जा रहा है। दूसरी ओर अखिलेश यादव ने अपने भाषण में नीट पेपर लीक और छात्रों के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। बाद में डिंपल यादव ने भी चर्चा में भाग लेते हुए परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, छात्रों की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया।

ईरान युद्ध में अमेरिका के संग सऊदी अरब की एंट्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच सऊदी अरब ने पहली बार अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थित पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (पीएमएफ) के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इन हमलों में लगभग 20 लड़ाकों की मौत हुई, जबकि 32 अन्य घायल हो गए। अमेरिकी सेना का दावा है कि इन ठिकानों से उसके सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी।

हमलों के कुछ घंटों बाद ईरान ने

हमले में 20 लोगों की मौत,ईरान ने दागीं जवाबी बैलिस्टिक मिसाइलें

जवाबी कार्रवाई करते हुए जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे की दिशा में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी मिसाइलों को बीच रास्ते में ही निष्क्रिय कर दिया गया। इस बीच खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) ने सऊदी अरब पर हुए हमलों की निंदा करते हुए उसकी सुरक्षा और संप्रभुता के समर्थन का भरोसा जताया। लगातार बढ़ते घटनाक्रम से क्षेत्रीय तनाव और गहराने की आशंका बढ़ गई है।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र ने की छात्रावास में आत्महत्या

यूनिक समय, मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के छात्रावास में द्वितीय वर्ष के एक छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया है। छात्र सामग्री विज्ञान का विद्यार्थी था और छात्रावास के अपने कमरे में मृत मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में छात्र के पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन में तनाव की आशंका सामने आई है। मामले की वास्तविक वजह जानने के लिए उसके मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा

पुलिस ने मृत्यु के कारणों की जांच शुरू की

संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी आईआईटी बॉम्बे में छात्र आत्महत्या की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सहयोग और परामर्श व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही मृत्यु के कारणों पर अंतिम निष्कर्ष सामने आएगा।

वृंदावन के प्रेम मंदिर रोड पर वाहनों की रफ्तार थमी, श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से लगा लंबा जाम।

यूपी बोर्ड के निजी परीक्षार्थियों के आवेदन पांच अगस्त तक

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में व्यक्तिगत (प्राइवेट) परीक्षार्थी के रूप में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। परिषद ने आवेदन पत्र भरने, परीक्षा शुल्क जमा करने और ऑनलाइन विवरण अपलोड करने की विस्तृत समयसारिणी जारी कर दी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी पांच अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार, आवेदन करने वाले विद्यार्थियों

शुल्क जमा करने की समय सारिणी जारी

का परीक्षा शुल्क विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा चालान के माध्यम से 10 अगस्त तक कोषागार में जमा कराया जाएगा। यदि निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा नहीं हो पाता है, तो अभ्यर्थियों को 100 रुपये प्रति परीक्षार्थी विलंब शुल्क के साथ शुल्क जमा करने का अवसर मिलेगा। परिषद ने विद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि कोषागार में जमा शुल्क का विवरण, विद्यार्थियों की शैक्षिक जानकारी 16 अगस्त तक परिषद की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाए। इसके बाद प्रधानाचार्य विद्यार्थियों के नाम, माता-पिता का नाम, जन्मतिथि, विषय, लिंग और अन्य विवरणों का विद्यालय अभिलेखों से मिलान करेंगे। किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर 1 से 10 सितंबर के बीच संशोधन कराया जा सकेगा।

शुल्क संरचना के अनुसार, व्यक्तिगत श्रेणी के हाईस्कूल परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 706 रुपये, क्रेडिट सिस्टम के लिए 306 रुपये और अतिरिक्त विषय के लिए 206 रुपये निर्धारित किया गया है। वहीं इंटरमीडिएट के व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के लिए कुल परीक्षा शुल्क 806 रुपये और अतिरिक्त विषय के लिए 206 रुपये तय किया गया है।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने सभी प्रधानाचार्यों को समयसीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन विवरण दर्ज करने में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर संबंधित प्रधानाचार्य स्वयं उत्तरदायी होंगे। विद्यार्थियों से भी आवेदन भरते समय सभी जानकारियां सावधानीपूर्वक जांचने की अपील की गई है।

घर ले जाकर युवक के साथ मारपीट, दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के गांव भरतिया में एक युवक को धमका कर अपने घर ले जाने और उसके साथ बुरी तरह की मारपीट करे वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को उनके पास से तमंचा-कारतूस भी मिले हैं। गांव भरतिया निवासी महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बेटे योगेश को गांव का रवि अपने भाई अर्जुन और सतीश उर्फ निनुआ धमकी देकर तमंचे के बाल पर रवि के घर पर ले गए। वहां ले जाकर इन लोगों ने उसके साथ जमकर मारपीट कर घायल कर दिया। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने रवि और सतीश उर्फ निनुआ को पथवारी मंदिर के समीप से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक देशी तमंचा-कारतूस भी बरामद किए हैं।

कमरे में मिले महिला के शव मामले में रिपोर्ट दर्ज

बाटी गांव से जुड़ी घटना के खुलासे को एसएसपी ने लगाई पुलिस की पांच टीम

यूनिक समय, चौमुहां, मथुरा। बाटी गांव के बंद कमरे में मिली महिला की लाश के मामले में पति ने अज्ञात हत्यारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसएसपी ने घटना के खुलासे के लिए पांच टीमों को लगाया है।

गौरतलब है कि गांव बाटी में राजपाल की पत्नी विजय का कमरे में खून से लथपथ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर देखा तो महिला के गले पर गहरे घाव के निशान थे। घर अंदर से पूरी तरह बंद था, एक छोटा गेट खुला हुआ था। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। उसके दोनों बेटे मौके पर आ गए थे। एक ने पुलिस को तहरीर दी थी। पति राजपाल भी बाहर नौकरी करता था। वह भी देर रात आ गया। राजपाल ने अज्ञात के खिलाफ पत्नी की हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसएसपी ने इस मामले के खुलासे के लिए पुलिस की पांच टीम लगाई है। सर्विलांस, स्वाट टीम के अलावा थाने सहित अन्य टीमों को लगाया है। इस मामले का जल्द ही खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

यूनिक समय, चौमुहां। गुरु पूर्णिमा पर नारायणदास महाराज की गद्दी पर विराजमान पंडित हेमंत शर्मा के सानिध्य में गुरु दीक्षा- गुरु पूजन समारोह आयोजित किया गया।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरु दीक्षा ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह में श्रद्धालुओं ने गुरु पूजन किया और भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचनों का आनंद लिया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में लाखन शर्मा, प्रेमचंद शर्मा, हरि नारायण शर्मा, राम नारायण तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु-गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महंत परमेश्वर दास की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी, पांच विप्र हुए सम्मानित

संगोष्ठी में विप्रजन का सम्मान करते आयोजक।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के प्रधान कार्यालय वाटी वाली कुंज में संस्थान के संस्थापक स्व. महंत परमेश्वर दास आचार्य की 13वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा और संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने महंत आचार्य के सामाजिक, धार्मिक और जनसेवा से जुड़े कार्यों को याद करते हुए उन्हें समाज का प्रेरणास्त्रोत बताया। संस्थान अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा, वरिष्ठ उपाध्याय घनश्याम हरियाणा, समाजसेवी अनिल कौशिक, खेमचंद शर्मा एडवोकेट और इं. राजेंद्र दत्त आचार्य सहित अनेक वक्ताओं ने कहा कि महंत परमेश्वर दास ने विप्र समाज के उत्थान के साथ-साथ रेडक्रॉस, सेंट जॉन और स्काउट जैसे संगठनों को भी मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में महंत परमेश्वर दास आचार्य के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर ब्रह्म भारती पत्रिका के संपादक इं. राजेंद्र दत्त आचार्य सहित समाज में विशेष योगदान देने वाले पांच विप्रों को माला, पटका, दुशाला, स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले कृष्ण गोपाल शर्मा के नेतृत्व में संगीतमय सुंदरकांड पाठ और जयेश आचार्य के संयोजन में पांच पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। संचालन संस्थान सचिव नारायण प्रसाद शर्मा ने किया। समारोह में राकेश गौड़, श्याम शर्मा, डॉ. जमुना शर्मा, उषा गोस्वामी, मुकेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित रहे।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुआ मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन

विद्यार्थियों ने दिखाई कूटनीतिक प्रतिभा

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) सम्मेलन में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधि बनकर वैश्विक मुद्दों पर प्रभावशाली चर्चा की। शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर नवीन राठी, जीएलए यूनिवर्सिटी के प्रो. (डॉ.) व्यास मुनि और विद्यालय की प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

मॉडल यूनाइटेड नेशंस में वैश्विक समस्याओं पर चर्चा करते छात्र-छात्राएं।

सम्मेलन में विद्यार्थियों को भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इजरायल सहित विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों में विभाजित किया गया। प्रतिभागियों ने जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार, वैश्विक शांति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखते हुए कूटनीतिक कौशल, तार्किक सोच और नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों की प्रभावशाली प्रस्तुति, तर्कपूर्ण बहस और वैश्विक चुनौतियों पर उनके सुझावों की सराहना की। प्रतियोगिता में टीम ऑस्ट्रेलिया विजेता, टीम यूएसए उपविजेता और टीम इजरायल को प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही टीम ऑस्ट्रेलिया को बेस्ट डेलिगेशन, टीम यूएसए को डिस्टिंग्विश्ड डेलिगेशन और टीम इजरायल को डिप्लोमेटिक पोटेंशियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में प्रियंका चतुर्वेदी, प्रिया गर्ग, श्याम पांडेय और जहीर का विशेष योगदान रहा। आर.के. एज्युकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल और स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में वैश्विक दृष्टिकोण, नेतृत्व क्षमता और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की समझ विकसित करते हैं। प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

युवाओं को सनातन से जोड़ने के लिए एक अगस्त को होगा जीवन प्रबंधन सूत्र कार्यक्रम

लायंस क्लब आंफ प्रीमियम की बैठक में संगठन के पदाधिकारी।

यूनिक समय,मथुरा। लायंस क्लब ऑफ मथुरा प्रीमियम की कैबिनेट बैठक एक स्थानीय होटल में आयोजित की गई। बैठक में क्लब की आगामी गतिविधियों पर चर्चा करते हुए युवाओं और छात्र-छात्राओं को सनातन संस्कृति से जोड़ने के इसमें मंथन किया गया है।

लायंस क्लब के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन की ओर से एक अगस्त को पांचजन्य ऑडिटोरियम डैम्पीयर नगर में जीवन प्रबंधन के सूत्र विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कथा वाचक पुंडरीक गोस्वामी युवाओं को जीवन प्रबंधन विचारों से मार्गदर्शन देंगे। बैठक में संस्था के फाउंडर मोहित अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, देवाशीष अग्रवाल, लव गुप्ता,नीरज अग्रवाल, एमसीपी शुभांशु अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। क्लब पदाधिकारियों ने युवाओं, छात्र-छात्राओं से कहा है कि आगामी होने वाले कार्यक्रम में अधिक से अधिक पहुंचें।